संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 333
पृष्ठ 8
बुधवार
27 अगस्त 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- अब इंजेक्शन से घटेगा वजन, भारत...

विचार- चरित्र और आदर्श की कीमत पर...

खेल- विराट कोहली की टेस्ट सफलताओं...

सीएम ने किया रोजगार महाकुंभ का उद्घाटन, कहा-

हर युवा को रोजगार,नौकरी की गारंटी

लखनऊ, संवाददाता। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रम न्याय सेतु पोर्टल का सीएम ने शुभारंभ किया। अटल इंटीग्रेटेड मॉनीटरिंग सिस्टम पोर्टल का शुभारंभ किया। इसके जरिए रीयल टाइम निगरानी हो सकेगी। उन्होंने आज अपने हाथों 15 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर युवा को रोजगार व नौकरी की गारंटी मिलेगी। रोजगार महाकुंभ इसे आगे बढ़ाने का माध्यम है। मार्केट व इंडस्ट्री की डिमांड के अनुसार कोर्स संचालित करने होंगे। युवाओं को प्रशिक्षित करेंगे। उद्यम चलने चाहिए मगर युवाओं का शोषण भी न हो, इसकी जवाबदेही तय की गई है।इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में रोजगार महाकुंभ में कहा कि पीएम के मिशन रोजगार के अभियान की कड़ी में विकसित भारत के संकल्पना के साथ हर व्यक्ति, हर संस्था अपना योगदान दे सके। आवश्यक है कि हर युवा के हाथ को उसकी योग्यता के अनुसार कार्य मिल जाए।

युवा अपार ऊर्जा का स्त्रोत है। यह उत्तर प्रदेश का सौभाग्य है कि दुनिया में सबसे बड़ी युवा आबादी भारत में और भारत में सबसे ज्यादा युवा आबादी उत्तर प्रदेश में है। जहां भी इन युवाओं को अवसर मिला है, उसने अपनी प्रतिभा व सामर्थ्य का लोहा, उस क्षेत्र और उद्यम को लाभांवित करने में लगाया है। यूपी के इस प्रतिभा व सामर्थ्य की मांग न केवल देश में बल्कि दुनिया के अन्य देशों में भी हो रही है। यह एक अवसर है जब यहां पर इंडस्ट्री और एंप्लायर एक साथ जुड़ रहे हैं। एक ओर वे संस्थाएं हैं जो रोजगार देने को उत्सुक हैं। दूसरी ओर वे युवा हैं जो स्किल डवलपमेंट के साथ जुड़कर उस रोजगार को पाने का इच्छुक है। 21 से 40 वर्ष के युवा को ब्याज मुक्त, गारंटी मुक्त ऋण की सुविधा उपलब्ध कराई गई। लोन वो ले रहा है, उसका ब्याज सरकार देगी। 10 प्रतिशत तक मार्जन मनी भी सरकार उपलब्ध कराएगी। अब तक 70 हजार युवाओं ने इस योजना से जुड़कर काम करना शुरू किया है। सरकार ने अपने स्तर पर भी नौकरी उपलब्ध कराने की कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि

निवेशकों ने माना, यूपी को सबसे अच्छे डेस्टीनेशन

जब कोरोना की लहर आई थी तब करीब 40 लाख मजदूर प्रदेश वापस लौटे थे। हमने एक जिला एक उत्पाद के माध्यम से उन सभी को काम देने शुरू किया। 2017 से पहले रोजगार के लिए प्रदेश के गांव के गांव पलायन करते थे पर अब लोगों को प्रदेश में ही रोजगार मिल रहा है।आठ साल में यूपी पुलिस में 2.19 लाख भर्तियां कीं। 1.56 लाख शिक्षक भर्ती प्रक्रिया पारदर्शिता से संपन्न हुई।सभी विभाग शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सहित सभी को जोड़कर साढ़े आठ लाख युवाओं को सरकारी नौकरी उपलब्ध कराने वाला यूपी सबसे बड़ा राज्य है। अपराध व अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति का नतीजा यह हुआ कि निवेशकों ने यूपी को सबसे अच्छे डेस्टीनेशन के रूप में चयन किया। प्रदेश सरकार को नीतियों में परिवर्तन करना पड़ा। अब तक 33 से अधिक सेक्टोरियल पॉलिसी तैयार की हैं। निवेशक इन्वेस्ट यूपी के पोर्टल पर जाकर क्लिक करे और जिस क्षेत्र में निवेश करना है, उसकी पूरी जानकारी मिल जाएगी। उसकी सहायता के लिए निवेश मित्र व निवेश सारथी भी है। निवेश कर लिया है तो पॉलिसी के तहत मिलने वाला निवेश भी ऑनलाइन उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। 70 सालों में उद्योगों को जितना इंसेंटिव नहीं मिला, उतना हमने आठ साल में दिया। 15 लाख करोड़ के निवेश धरातल पर उतरे। सात लाख युवाओं को काम भी मिला। यूपी रोजगार मिशन लागू करने वाला अग्रणी राज्य बना है।आज की मांग एआई, ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स की है। हमने इसके लिए लैब उपलब्ध कराई हैं। नये समय की टेक्नोलॉजी के लिए यूपी के नौजवानों को प्लेटफार्म उपलब्ध कराया है। दुनिया के तमाम देशों में यूपी के नौजवानों की आज मांग हो रही है।

भारत में निर्मित इलेक्ट्रिक वाहन 100 देशों में निर्यात किए जाएंगे : मोदी

अहमदाबाद, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को यहां कहा कि भारत में निर्मित इलेक्ट्रिक वाहन 100 देशों में निर्यात किये जायेंगे, साथ ही देश में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड उत्पादन भी शुरू होगा। श्री मोदी ने गुजरात में अहमदाबाद जिले के हांसलपुर में सुजुकी की 'ई–विटारा' इलेक्ट्रिक कार का अनावरण, ग्रीन मोबिलिटी पहल का उद्घाटन किया और कहा कि गणेशोत्सव की उत्सव भावना के बीच मेक इन इंडिया यात्रा में एक नया अध्याय जुड़ रहा है। आज से भारत में निर्मित इलेक्ट्रिक वाहन 100 देशों में निर्यात किये जायेंगे। साथ ही घोषणा की कि देश में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड उत्पादन भी शुरू होगा। प्रधानमंत्री ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि गणेश चतुर्थी के उत्सव के बीच, भारत की 'मेक इन इंडिया' यात्रा में एक नया अध्याय जुड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह 'मेक इन इंडिया,

मेक फॉर द वर्ल्ड' के साझा लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण छलांग है। श्री मोदी ने कहा कि आज का दिन भारत और जापान की मैत्री को एक नया आयाम देता है, उन्होंने भारत, जापान और सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन से जुड़े सभी लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारत की सफलता की कहानी के बीज 12–13 साल पहले बोये गये थे, 2012 में, उनके मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल के दौरान, हांसलपुर में मारुति सुजुकी को ज़मीन आवंटित की गयी थी। उस समय भी आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया का दृष्टिकोण मौजूद था। वे शुरुआती प्रयास अब देश की वर्तमान आकांक्षाओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने दिवंगत ओसामु सुजुकी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भारत सरकार ने उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें मारुति सुजुकी इंडिया के लिए श्री ओसामु सुजुकी के दृष्टिकोण के व्यापक विस्तार को देखकर खुशी हो रही है।

संविधान सिर्फ किताब नहीं है, हिंदुस्तान की शक्ति है : राहुल गांधी

बोले– वे वोट चोरी कर इसे ख़त्म करने में लगे हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपने विरोधियों पर निशाना साधने के लिए व्यक्तिगत हमलों का सहारा लेता है। उन्होंने दावा किया कि महात्मा गांधी के खिलाफ भी यही तरीका अपनाया गया था। राहुल गांधी ने कहा कि अमित शाह कई बार कह चुके हैं कि भाजपा सरकार 40–50 साल तक चलेगी। इसलिए, मुझे आश्चर्य हुआ कि उन्हें कैसे पता कि वे 40–50 साल तक सत्ता में रहेंगे? यह एक अजीब बयान था। आज देश के सामने सच्चाई सामने आ गई है कि वे (भाजपा) श्वोट चोरीश करते हैं। इसकी शुरुआत गुजरात से हुई, फिर 2014 में यह राष्ट्रीय स्तर पर आया और फिर अन्य राज्यों में... मैं झूठ नहीं बोलता, मैं केवल तभी बात कहता हूं जब मेरे पास तथ्य होते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि मेरे द्वारा की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस पर किसी भी बीजेपी नेता ने अपनी टिप्पणी नहीं दी, खासकर जब वे हर चीज़ पर टिप्पणी करते हैं। पीएम मोदी और अमित शाह ने एक शब्द भी नहीं कहा। चोर हमेशा चुप रहता है क्योंकि उसे पता होता है कि वह पकड़ा गया है। उन्होंने कहा कि संविधान कहता है कि हर भारतीय को वोट देने का अधिकार है। संविधान के बिना, आपके पास कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने बार–बार कहा कि ठश्रच की सरकार 40–50 साल तक रहेगी। पहले ये बयान अजीब लगा, अमित शाह को कैसे पता कि 40–50 साल तक सरकार चलेगी। कांग्रेस नेता ने कहा कि अब सच्चाई सामने आ गई है। अमित शाह ऐसा इसलिए कह पा रहे थे, क्योंकि ये लोग 'वोट चोरी' करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री तय करते हैं कि इलेक्शन कमिश्नर कौन बनेगा? वहां विपक्ष के नेता की एक नहीं सुनी जाती।

प्रियंका गांधी राहुल के साथ मतदाता अधिकार यात्रा में हुईं शामिल

पटना, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा आज बिहार में चल रही 'मतदाता अधिकार यात्रा' में अपने भाई राहुल गांधी के साथ शामिल हुईं। यात्रा के दसवें दिन सुपौल जिले में जबरदस्त भीड़ देखने को मिली। पहली बार प्रियंका गांधी इस अभियान में शामिल हुईं और राहुल गांधी के साथ खुले वाहन में लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान माहौल उत्साहपूर्ण रहा और महागठबंधन के कार्यकर्ताओं में नई स्फूर्ति देखी गई। पारंपरिक परिधान नीले रंग की सलवार सूट सलवार सूट और गहरे नीले रंग का दुपट्टा प्रियंका गांधी की गंभीरता, आत्मविश्वास और विश्वसनीयता को बता रहा था। प्रियंका गांधी की भागीदारी से इस अभियान को एक नई ऊर्जा मिली है, जो आगामी विधानसभा चुनावों से पहले विपक्ष की एकजुटता को दर्शाती है। यह यात्रा लोकतांत्रिक और निर्वाचन अधिकारों में कथित कटौती के खिलाफ इंडिया गठबंधन द्वारा आयोजित की गई है। सुपौल से यात्रा शुरू होकर कोसी महासेतु पार करते हुये

राष्ट्रीय राजमार्ग– 27 से मधुबनी की ओर बढ़ी। इस यात्रा में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव, पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव और भाकपा (माले) के नेता दीपंकर भट्टाचार्य भी साथ चल रहे थे। सड़कों पर 'वोट चोर दृ गद्दी छोड़' के नारे गूंजते रहे और हजारों लोग नेताओं का स्वागत करने के लिए जमा हुये। प्रियंका गांधी हाथ जोड़कर जनता का अभिवादन करती रहीं और जनसमर्थन के लिये धन्यवाद भी कहा। रैली को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने केंद्र की भाजपा सरकार पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि, वोटर अधिकारों की लड़ाई संविधान बचाने की लड़ाई है। अगर गरीबों, युवाओं, महिलाओं और किसानों की आवाज़ दबा दी जायेगी, तो लोकतंत्र ही खतरे में पड़ जायेगा। प्रियंका गांधी की इस यात्रा में भागीदारी से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश भर गया है। पार्टी नेताओं ने इसे अभियान का एक श्टर्निंग पॉइंटश बताया है। प्रियंका गांधी कल सीतामढ़ी के जानकी मंदिर में दर्शन करेंगी।

ईडी ने 5,590 करोड़ रुपये के कथित अस्पताल निर्माण घोटाले में आप पर कसा शिकंजा

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में 24 अस्पतालों के निर्माण से जुड़े 5,590 करोड़ रुपये के धनशोधन मामले में आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज के घर समेत 13 स्थानों पर तलाशी अभियान चला रहा है। ईडी सूत्रों ने कहा कि फिलहाल तेरह स्थानों पर तलाशी चल रही है। धन शोधन निवारण (पीएमएलए) मामला 2018–19 में हुए कथित दिल्ली अस्पताल निर्माण से जुड़ा हुआ है। उल्लेखनीय है कि निर्माण में देरी होने के कारण अस्पतालों की लागत बढ़ गई। 2018–19 में आप सरकार ने अस्पतालों के निर्माण को मंजूरी प्रदान की थी हालाकि परियोजनाएं समय पर पूरी नहीं हो सकी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी पर आधारित है। ईडी वर्तमान में दिल्ली में अस्पतालों के निर्माण के दौरान हुए कथित घोटाले की जांच कर रहा है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर आधारित फिल्म की रिलीज़ को दी मंजूरी

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर कथित रूप से आधारित एक फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज करने की मंजूरी दे दी है। साथ ही न्यायालय ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) को निर्देश दिया है कि वह फिल्म श्अजेयश को बिना किसी कट या संशोधन के प्रमाणन प्रदान करे। एक अधिवक्ता ने मंगलवार को यह जानकारी दी। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति नीला के. गोखले की खंडपीठ ने फिल्म देखने के बाद कल दिए अपने आदेश में कहा, "हमने फिल्म को उसके संदर्भ में

देखा है और हमें नहीं लगता कि इसमें किसी भी चीज़ को दोबारा संपादित करने की ज़रूरत है। हमने आपके द्वारा बताए गए हर बिंदु पर गौर किया है। हमने हर चीज़ पर ध्यान दिया है। हमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं लगा।" पीठ ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा पारित उन आदेशों को भी रद्द कर दिया, जिनमें फिल्म में कट और संपादन की सिफ़ारिश की गई थी। सीबीएफसी ने शुरुआत में फिल्म पर 29 आपत्तियाँ उठाई थीं। अपील पर सीबीएफसी की पुनरीक्षण समिति ने 17 अगस्त को उन आपत्तियों में से आठ को खारिज कर दिया लेकिन फिर भी फिल्म को प्रमाणन देने से इनकार कर दिया। इसके बाद अदालत ने 22 अगस्त को फिल्म देखने का फैसला किया। फिल्म देखने के बाद, अदालत की राय थी कि फिल्म में ऐसा कुछ भी नहीं है जिसमें बदलाव की ज़रूरत हो। श्द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टरश किताब से प्रेरित यह फिल्म उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर आधारित बतायी जा रही है।

जनसांख्यिकी में बदलाव चिंता का बड़ा कारण, कलेक्टर और पुलिस इसे गंभीरता से लें : शाह

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जनसांख्यिकी में बदलाव को चिंता का बड़ा कारण बताते हुए कहा है कि वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम में शामिल जिला कलेक्टरों और पुलिस को इसे गंभीरता से लेना होगा क्योंकि यह सीधे देश और सीमाओं की सुरक्षा को प्रभावित करता है।

श्री शाह ने मंगलवार को यहां सीमा प्रबंधन विभाग के दो दिन की वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम (वीवीपी) कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ने कहा था कि 'डेमोग्राफिक' बदलाव

हमारे लिए चिंता का विषय है। श्री शाह ने कहा कि वीवीपी में शामिल जिलों के कलेक्टरों को इस मुद्दे को गंभीरता और बारीकी से देखना होगा।

उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकी में बदलाव सीधे तौर पर देश और सीमाओं की सुरक्षा को प्रभावित करता है।

उन्होंने कहा कि यह नहीं मानना चाहिए कि यह भौगोलिक स्थिति के कारण हो रहा है बल्कि यह एक निश्चित डिजाइन के तहत हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्यों के मुख्य सचिवों और केन्द्रीय पुलिस बलों को भी इस मुद्दे पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि योजनाओं के शत–प्रतिशत सैचुरेशन के लिए जिला कलेक्टरों को केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के साथ समन्वय करना चाहिए।

केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल स्वास्थ्य, खेल और शिक्षा के क्षेत्र में मदद कर सकते हैं। अरुणाचल प्रदेश में भारत तिब्बत सीमा पुलिस ने रोजमर्रा की चीजें जैसे – दूध, सब्जी, अंडे, अनाज आदि वाइब्रेंट गांव से ही खरीदने का सफल प्रयोग किया है। उन्होंने कहा कि हर सीमांत गांव में इस प्रयोग को जमीन पर उतारने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि सीमा पर तैनात सेना, गृह मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय से समन्वय कर वाइब्रेंट गांव में रोजगार सृजन की दिशा में काम कर सकती है।

श्री शाह ने कहा कि वीवीपी का विचार तीन बिंदुओं सीमांत गांवों से पलायन रोकने, सीमांत गांवों के हर नागरिक को केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का शत–प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करने और चिन्हित गांवों को सीमा तथा देश की सुरक्षा के लिए एक माध्यम बनाने पर आधारित है।

बाढ़ का पानी छोटा बघाड़ा, बेली के घरों में घुसा

प्रयागराज। गंगा–यमुना का बढ़ा जलस्तर अब कछारी इलाकों में कहर बरपाने लगा है। गंगा किनारे बसे छोटा बघाड़ा और बेली कछार के घरों में बाढ़ का पानी घुस गया। गंगा का बढ़ता जलस्तर देख कछारी क्षेत्र में रहने वाले रात में जागकर निगरानी कर रहे थे। बाढ़ के पानी मंगलवार सुबह एक दर्जन घरों में घुसा तो लोगों ने सामान निकालना शुरू किया। सुबह 10 बजे बाढ़ से घिरने के बाद लोग राहत शिविरों में जाने की तैयारी कर रहे थे। इसी प्रकार बेली कछार के घरों में पानी घुस गया है। द्रौपदी घाट, नेवादा, बेली कॉलोनी, अशोकनगर के कछार में बने घरों में भी पानी घुसने की सूचना है। बाढ़ के संभावित खतरे को देखते हुए प्रशासन ने राहत शिविरों को सक्रिय कर दिया है। हालांकि राहत शिविरों में दोपहर 12 बजे तक लोग नहीं पहुंचे थे। गंगा किनारे मोहल्लों में देर रात बाढ़ को लेकर घर खाली करने की मुनादी कराई गई। सुबह आठ बजे फाफामऊ और छतनाग में गंगा का जलस्तर क्रमशः 80.82 मीटर व 82.08 मीटर दर्ज किया गया। नैनी में यमुना का जलस्तर 82.85 मीटर दर्ज किया गया।

मलेरिया विभाग में पल रहे मच्छर, टीमें घर-घर ढूंढ रही लार्वा

प्रयागराज। शहर में डेंगू ने दस्तक दे दी है। इस वर्ष जनवरी से 15 अगस्त तक डेंगू के 15 मरीज मिल चुके हैं। एक व्यक्ति की मौत भी हो चुकी है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने इसकी पुष्टि नहीं की। बाढ़ का पानी उतरने के बाद गंगा के तटीय मोहल्लों में मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। मलेरिया विभाग की टीमें घर–घर जाकर पानी में लार्वा की जांच कर रही है। बेली

अस्पताल परिसर में मलेरिया विभाग का कार्यालय है। लेकिन विभागीय उदासीनता के चलते परिसर में साफ–सफाई नहीं होती। पानी की निकास की व्यवस्था ध्वस्त है। बारिश का पानी कई दिनों तक परिसर में भरा रहता है। कार्यालय के सामने सड़े हुए कूड़े से इतना दुर्गंध आती है लोग उस तरफ जाने से कतराते हैं। परिसर में उगी बड़ी–बड़ी घास और फैली गंदगी के कारण मच्छर भनभना रहे हैं। ऐसे में कर्मचारियों को भी संक्रमित होने का खतरा बना रहता है।

पांच माह बाद एसआरएन अस्पताल के गेट पर मिला घायल बेटा

प्रयागराज। पांच माह से गायब बेटा सोमवार को मां को एसआरएन अस्पताल के प्रवेश द्वार पर घायल अवस्था में मिला। मां के आंसू छलक पड़े। बेटे के दोनों पैर में पट्टी बंधी थी और चलने में असमर्थ था। पिछले कुछ दिनों से वह अस्पताल परिसर में बैठा रहता था, लेकिन धीरे–धीरे दो दिन पहले प्रवेश द्वार पर आ गया था। 40 वर्षीय कान्हा मार्च में मेजा रोड के सिरसा से गायब हो गए थे। इस बीच किसी वाहन की टक्कर से उनके दोनों पैर और सिर में चोट लग गयी थी। इसलिए वह चल नहीं पाते थे और न ही कुछ बोल पाते थे। कुछ दिन पहले अस्पताल में उसके पैर की ड्रेसिंग भी की गई थी। शारीरिक, मानसिक परेशानी के कारण वह अस्पताल से बाहर नहीं जा पा रहा था। घर के लोगों को उसके मिलने की आशा धूमिल हो रही थी।

अधिवक्ता पर लोहे की रॉड से हमला

प्रयागराज। वादी से मिलकर घर लौट रहे अधिवक्ता मोहसिन सिद्दीकी उर्फ अनिश पर लोहे की राड व सरिया से जानलेवा हमला किया गया। लहूलुहान अधिवक्ता ने इलाज के बाद तहरीर सिविल लाइंस थाने में आरोपी मोहम्मद शरिक, अमिर, टूडू व उनके दो अज्ञात साथियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। साउथ मलाका निवासी अधिवक्ता मोहसिन सिद्दीकी उर्फ अनिश की तहरीर के अनुसार, वह 20 अगस्त की शाम करीब सात बजे कटरा से अपने मुअक्किल से मिलकर घर लौट रहे थे। आरोप है कि लोकसेवा आयोग चौराहे के पास आरोपियों ने जबरन स्कूटी रोक ली। इसके बाद गाली–गलौज करते हुए लोहे की राड व सरिया से हमला कर दिया। आसपास के लोग दौड़े तो आरोपी भाग निकले। थाना प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि अधिवक्ता की तहरीर पर नामजद मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

कोई भी छात्र कर सकता है एआई की पढ़ाई

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शैक्षिक सत्र 2025–26 में विद्यार्थियों को नई तकनीक और आधुनिक जरूरतों से जोड़ने के लिए कई नए पाठ्यक्रम तैयार किए गए हैं। जेके इंस्टीट्यूट के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन विभाग की ओर से कुल दस कौशल–आधारित पाठ्यक्रम बनाए गए हैं। इनमें एआई, डिजिटल लिटरेसी, डाटा साइंस, कंप्यूटर हार्डवेयर, प्रोग्रामिंग, सर्किट डिजाइन और एनिमेशन जैसे विषय शामिल हैं। यह पाठ्यक्रम दो क्रेडिट के होंगे।

मंच का संचालन करना सीखेंगे छात्र

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग ने 20 कौशल आधारित पाठ्यक्रम तैयार किया है। इसमें मंच का संचालन के लिए भी कोर्स तैयार किया गया है। स्वाधीनता आंदोलन की स्मृतियां, हिन्दी बाल साहित्य, लैंगिक संवेदनशीलता, वेब हिन्दी पत्रकारिता, पुस्तक समीक्षा, संपादन कौशल, मुद्रण एवं प्रकाशन, कार्यालयीय हिन्दी, निबंध लेखन कला, विधिक हिन्दी, गजल लेखन कौशल, तेलगु भाषा शिक्षण, बांग्ला भाषा शिक्षण, मंच संचालन एवं साहित्य, सम्प्रेषण कौशल एवं रंगमंच, हिन्दी गीत रचना एवं प्रस्तुति कौशल, काव्य पाठ कौशल, भक्तिकालीन कविता, हिन्दी सिनेमा में स्क्रिप्ट एवं संवाद लेखन, दृश्य माध्यम समीक्षा लेखन।

दधिकांदो दल के मार्ग पर गड्ढे, लटक रहे बिजली के तार, समस्याओं का अंबार

प्रयागराज। शहर में दशहरा से पूर्व दधिकांदो मेले के आयोजन होगा। सलोरी सहित छह स्थानों पर मेला सजता है। मार्ग के दोनों तरफ विद्युत सज्जा के साथ दुकानें, झूले आदि लगते हैं। दल में एक दर्जन से अधिक शृंगार चौकियां और भगवान श्रीकृष्ण–बलदाऊ की भव्य सवारी निकलती है। इस वर्ष दधिकांदो मेले की शुरुआत 23 अगस्त से सलोरी से होगा। लेकिन अभी तक दधिकांदो दल का न मार्ग सही किया गया है और न ही बिजली के जर्जर तार ठीक किए गए हैं। चौकियों के निकलने वाले मार्ग पर पेड़ों की छंटाई नहीं की गई है। जहां से दल रवाना होता है वहां मलबे का ढेर लगा है।

मुख्य मार्ग पर नाले की दीवार ढह गई है। इससे सड़क का अधिकांश हिस्सा अवरुद्ध हो गया है। इससे चौकियों के निकलने में परेशानी तो होगी ही, भीड़ में अनहोनी भी हो सकती है। सलोरी के आम लोगों और दधिकांदो मेला कमेटी के पदाधिकारियों से बात की गई तो अव्यवस्था पर उन्होंने जिम्मेदार विभागों के प्रति नाराजगी जताई। कहा कि मेला निर्विघ्न सम्पन्न हो यह प्रशासन और नगर निगम की जिम्मेदारी है। लेकिन अभी तक कोई काम शुरू नहीं कराया गया है। सलोरी के दधिकांदो मेला में मात्र चंद दिन बचे हैं, लेकिन अभी तक न नगर निगम जागा है और न ही बिजली विभाग। गड्ढा युक्त सड़कों पर चौकियां कैसे निकलेंगी, कमेटी के पदाधिकारी भी चिंतित हैं। मेले को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पिछले दिनों डीएम की अगुवाई में बैठक भी हुई। डीएम ने संबंधित विभागों को व्यवस्था के लिए निर्देश भी दिए, लेकिन कोई असर नहीं हुआ। पिछले दिनों आई बाढ़ के कारण कई सड़कें खस्ता हो गई हैं तो वहीं सचान पुलिया के पास नाले की दीवार ढह गई है। सड़क का कुछ हिस्सा भी धंस गया है। इसपर ग्रीन नेट लगाकर बैरीकेडिंग कर दी गई है, लेकिन अब तक न पुलिया निर्माण के लिए कोई पहल शुरू हुई न ही सड़क को ठीक करने की सुध ली गई है। इसी मार्ग से दल को गुजरना है। दल में शामिल शृंगार चौकियों को निकलने में काफी परेशानी होगी। मेले में भारी भीड़ से खतरा भी रहेगा। इसकी शिकायत बीते सात अगस्त को नगर आयुक्त से जनप्रतिनिधि भी कर चुके हैं, लेकिन कार्य अभी भी नहीं शुरू हो पाया है। जिस मार्ग से दल निकलेगा उस पर जगह जगह बड़े–बड़े गड्ढे हैं। सीवर के चौम्बरों के पास गहरे गड्ढे हैं। दधिकांदो दल निकलने वाले मार्ग पर पैच वर्क की सख्त जरूरत है, वरना इन गड्ढों में चौकियों के पहिये फंस सकते हैं। बघाड़ा–सादियाबाद मार्ग कई जगह से उखड़ चुका है। इस मार्ग का कुछ हिस्सा कंटोनमेंट व कुछ हिस्सा पीडीए द्वारा बनाया गया है। बघाड़ा पुलिया के पास करीब दस मीटर सड़क बिना बनाए छोड़ दी गई है। मार्ग पर जगह जगह मलबे के ढेर हैं। ओवरब्रिज के पास भी खतरनाक गड्ढा है। लोगों का कहना है कि यह सिर्फ मेला नहीं प्रयागराज की शान है, जिसका आयोजन कई दशकों से होता आ रहा है। अब तक सड़क मरम्मत का कार्य हो जाना चाहिए, लेकिन नगर निगम के जिम्मेदार कोई रुचि नहीं ले रहे हैं। पेड़ों की डालों की छंटाई नहीं की गई चौकियां निकलने वाले मार्ग पर पेड़ों की डालें लटकी हुई हैं। इनकी छंटाई नहीं की गई है। कुछ स्थानों पर तो डालियां इतनी नीचे हैं कि चौकियां इसमें फंस सकती हैं। इसके लिए दधिकांदो मेला कमेटी के पदाधिकारी और स्थानीय लोग लगातार नगर निगम के जिम्मेदारों को अवगत करा रहे हैं लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। बिजली का पोल हो गया टेढ़ा सचान पुलिया के पास बिजली का एक पोल टेढ़ा हो गया है। खंभे पर बिजली के

तार दौड़ रहें हैं और सप्लाई भी जारी है। इससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। बार–बार शिकायत के बाद भी बिजली विभाग के अफसर हाथ पर हाथ रखे बैठे हैं। सड़क पर खड़े कबाड़ वाहन से समस्या दल के मार्ग पर कई जगह लोगों ने अपने वाहन खड़े कर रखे हैं। इनमें अधिकांश वाहन कबाड़ हो चुके हैं। इन वाहनों के कारण सड़क संकरी हो गई है। इन वाहनों पर न तो नगर निगम के जिम्मेदारों का ध्यान जा रहा है न ही यातायात पुलिस ही कार्रवाई कर रही है। मेला के दौरान यह वाहन काफी समस्या पैदा कर सकते हैं। ट्रांसफॉर्मरों की मरम्मत न बदले गए जर्जर तार सलोरी में मेला के एक पखवाड़ा पूर्व ही बिजली विभाग ट्रांसफॉर्मरों की मरम्मत, जंफर का काम व जर्जर तार बदलने का काम शुरू कर देता है, लेकिन इस बार हीलाहवाली की जा रही है। लोगों का कहना है कि मेला के दौरान अगर बिजली कुछ देर के लिए भी बाधित हो जाए तो बड़ी परेशानी पैदा हो जाएगी। मेले में काफी भीड़ रहती है। महिलाओं और बच्चों की काफी संख्या होती है। काफी पुराना है दधिकांदो का इतिहास प्रयाग में दधिकांदो का पुराना इतिहास रहा है। ब्रिटिश शासनकाल के दौरान स्वतंत्रता आंदोलन में लोग न जुटने पाए इसलिए अंग्रेज अधिकारी कहीं लोगों को एकत्र नहीं होने देते थे। सलोरी के पुरनियों ने बताया कि उस समय स्वतंत्रता सेनानियों ने कंटोनमेंट इलाकों में जहां अंग्रेज रहते थे वहां दधिकांदो की शुरुआत की। शहर के सलोरी, तेलियरगंज, राजापुर, सुलेमराय, कीडगंज आदि कंटोनमेंट इलाकों में दधिकांदो शुरू हो गया। धार्मिक मेला होने के कारण ब्रिटिश हुक्मरान इसे रोक नहीं पाए। मेला के दौरान स्वतंत्रता सेनानी एकजुट होते थे और आगे की रणनीति बनाते थे। धीरे–धीरे मेले ने परम्परा का रूप ले लिया जो आज भी कायम है। हमारी भी सुनें सलोरी के दधिकांदो मेले में दूर–दूर से लोग आते हैं। काफी भीड़ जुटती है। लेकिन अभी तक न तो सड़क के गड्ढे भरे गए न ही बिजली के तार बदले गए हैं। जिम्मेदारों को इस पर ध्यान देना चाहिए। – वीरेन्द्र कुमार सचान पुलिया के पास बाढ़ के दौरान नाले की दीवार ढह गई थी। जिसे अभी तक बनाया नहीं गया है। इससे काफी खतरा बना हुआ है। चौकियों के निकलने में भी परेशानी हो सकती है। – नरेन्द्र बलदाऊ मंदिर के पास से प्रति वर्ष शृंगार चौकी निकलती है जो दल में शामिल होती है। मंदिर मार्ग पर बिजली के तार खतरनाक तरीके से लटके हुए हैं। पोल के बीच दूरी अधिक होने से समस्या हो रही है। – घसीटे लाल पाल बलदाऊ मंदिर के पास लटके तारों को ठीक न कराया गया तो चौकी निकालने में काफी दिक्कत हो जाएगी। इसके लिए कई बार जिम्मेदारों से कहा गया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। – रामबहादुर पाल बलदाऊ मंदिर के पास दूर–दूर पर पोल होने के कारण तार काफी नीचे लटक गए हैं। कुछ जगहों पर तो तार इतने नीचे हैं कि हाथ उठाने पर छू जाते हैं। मेला के दौरान यह बड़ी समस्या पैदा कर सकते हैं। – धीरेन्द्र पाल हर वर्ष मेला के पूर्व पेड़ों की छंटाई करा दी जाती थी जिससे चौकियां आराम से निकल सकें, लेकिन इस बार नगर निगम ने सुध ही नहीं ली। पेड़ की डालें लटकी हैं जिससे परेशानी होगी। –प्रशांत शुक्ल सड़क पर जगह–जगह गड्ढे हैं। शृंगार चौकियों के पहिये इन गड्ढों में अगर फंस गए तो काफी परेशानी हो जाएगी। सड़कों पर समय रहते पैच वर्क होना जरूरी है। – मुकुन्द तिवारी मेला काफी करीब है और अभी तक काम पूरे नहीं हो पाए हैं। सड़कों पर जगह–जगह गड्ढे हैं, बिजली के तार लटके हुए हैं, जिससे दल में शामिल चौकियों के निकलने में दिक्कत होगी। – पप्पू तिवारी मेला के एक पखवारे पहले सभी काम हो जाने चाहिए थे, लेकिन अभी तक सभी काम लंबित हैं। जिम्मेदार अगर मेला को लेकर गंभीर होते तो अब तक व्यवस्था बेहतर हो गई होती। – सुनील कुमार सलोरी के मेले में जिले के दूर–दराज से भी लोग आते हैं। प्रशासन और नगर निगम की जिम्मेदारी बनती है कि श्रद्धालुओं की सहूलियत का ख्याल रखे। – प्रदीप निषाद मेला में काफी भीड़ रहती है। काफी संख्या महिलाओं और बच्चों की होती है। मेला में किसी को कोई परेशानी न हो इसके लिए पहले से काम हो जाना चाहिए था। – देवेश शुक्ला यहां नाले की दीवार गिरी पड़ी है जिसे बनाया नहीं गया है। मेला में लोग जुटेंगे और चौकियां निकलेंगी, नाले की दीवार न बनी तो काफी समस्या पैदा हो जाएगी। – रामजी शुक्ला यहां नगर निगम ने कुछ काम तो कराया है, लेकिन पीडीए और कंटोनमेंट का काम नहीं हो सका है। सभी काम समय पर हो जाते तो मेला आयोजन में सहूलियत होती। – ज्ञान चन्द्र निषाद

सलोरी के मेले का लोग पूरे वर्ष इतजार करते हैं। दूर–दूर से लोग चौकियां देखने के लिए आते हैं लेकिन अभी तक यहां इंतजाम पूरे नहीं हो पाए हैं। समय पर काम नहीं होगा तो मुश्किल हो जाएगी। – राजू यादव

जाली दस्तावेजों से हासिल नौकरी नियुक्ति के समय से ही शून्य

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि जाली दस्तावेजों के आधार पर हासिल की गई सरकारी नौकरी नियुक्ति के स्तर से ही शून्य मानी जाएगी। ऐसी नौकरी करने वाला व्यक्ति वेतन और अन्य परिलाभों पर दावा नहीं कर सकता है। उसे नौकरी के दौरान प्राप्त वेतन वापस करना होगा। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने कमलेश कुमार निरंकारी की याचिका पर दिया। याची बलिया में प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत था। एक शिकायत पर जांच के बाद वह जाली दस्तावेज के आधार पर नियुक्ति पाने का दोषी पाया गया। पुष्टि होने के बाद बेसिक शिक्षा अधिकारी ने 6 अक्तूबर 2022 के आदेश से उसकी नियुक्ति को रद्द कर दिया।

साथ ही भुगतान किए गए वेतन की वसूली का आदेश दिया। याची ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी। याची अधिवक्ता ने कहा कि याची को

10 अगस्त 2010 को सहायक शिक्षक के पद पर नियुक्त किया गया था और उसने कभी कोई जालसाजी नहीं की। उसने सभी शैक्षिक दस्तावेज जमा किए थे लेकिन बिना उचित सुनवाई के उसकी नौकरी रद्द कर दी गई। यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध है। उसके पैन कार्ड, आधार कार्ड और शैक्षिक प्रमाणपत्रों में नाम में अंतर था। यह संबंधित प्राधिकारियों की त्रुटि के कारण थीं। इसमें याची की कोई भूमिका नहीं है। प्रतिवादी अधिवक्ता की ओर से दलील दी गई कि याची ने जाली मार्कशीट और प्रमाणपत्रों के आधार पर नौकरी प्राप्त की थी। उसने एक अन्य व्यक्ति कमलेश कुमार यादव के दस्तावेजों का इस्तेमाल किया था। पुलिस सत्यापन रिपोर्ट में भी पुष्टि हुई कि याची की ओर से दिए गए पते पर उस नाम का कोई व्यक्ति नहीं रहता है। उसे कई बार मौका देने के बाद भी वह अपने मूल दस्तावेज पेश नहीं कर पाया। कोर्ट पक्षों को सुनने के बाद कहा कि विभाग के तर्क सही हैं।

कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि धोखाधड़ी से प्राप्त नियुक्ति शुरू से ही शून्य होती है और ऐसे में विस्तृत जांच की आवश्यकता नहीं होती। नाम में गंभीर विसंगतियां और मूल दस्तावेजों को पेश न कर पाना धोखाधड़ी का सबूत है। अतः नौकरी रद्द करने और वेतन वापस लेने का आदेश वैध है। कोर्ट ने बीएसए के आदेश को बरकरार रखा और याचिका खारिज कर दी।

शहर के विकास को देश-विदेश के इंजीनियरों से मांगी मदद

प्रयागराज। संगमनगरी को रोजगारपरक शहर बनाने के लिए इंजीनियरों की मदद लेने की पहल की गई है। देश–विदेश में पढ़ाई व नौकरी कर रहे टेक्नोक्रेट बताएंगे कि शहर में ऐसा क्या किया जाए जिससे यहां रोजगार बढ़े और नौकरी के लिए युवाओं को बाहर न जाना पड़े। महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने टेक्नोक्रेट से सुझाव मांगे हैं। महापौर ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट के जरिए देश–विदेश में पढ़ाई और नौकरी कर रहे टेक्नोक्रेट से मोबाइल नंबर देने का आग्रह किया है, ताकि उनसे किसी भी वक्त संपर्क किया जा सके। महापौर ने बताया कि कई दशक पहले तक हैदराबाद भी प्रयागराज की तरह था, वहां भी बेरोजगारी थी। वहां के टेक्नोक्रेट की मदद से हैदराबाद में बदलाव हुआ। आज हैदराबाद बाहरी लोगों को नौकरी दे दे रहा है। महापौर के मुताबिक मोबाइल नंबर मिलने के बाद वह सभी से बात करेंगे। इसके बाद सभी से एकसाथ जूम मीटिंग करेंगे। जूम मीटिंग में मिलने वाले सुझावों के आधार पर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। केंद्र और प्रदेश सरकार को रिपोर्ट भेजकर संगमनगरी को रोजगारपरक बनाने के लिए मदद मांगी जाएगी। उन्होंने कहा कि शहर में विकास तेजी से हो रहा है, अब यहां रोजगार देने की दिशा में काम करना होगा।

प्रयाग स्टेशन का पुराना एफओबी होगा ध्वस्त, नए लुक में दिखेगा स्टेशन

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। प्रयाग रेलवे स्टेशन का सबसे पुराना फुट ओवरब्रिज (एफओबी) अब अतीत बन जाएगा। 50 साल से अधिक पुराने इस एफओबी से गुजरना अब यात्रियों के लिए बंद कर दिया गया है। यह एफओबी प्लेटफार्म नंबर एक से तीन को जोड़ता था। रेलवे ने इसे पूरी तरह से हटाने का निर्णय लिया है। अमृत भारत योजना के दूसरे चरण में प्रयाग रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास होगा, जिसके तहत इस पुराने एफओबी को तोड़कर अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस नया ढांचा तैयार किया जाएगा। इसका विकल्प पहले से तैयार है। महाकुम्भ के दौरान बने नए एफओबी से यात्रियों का आवागमन हो रहा है। नई योजना के तहत सबसे पहले प्लेटफार्म नंबर एक और तीन पर नई लिफ्ट स्थापित की जाएगी, ताकि यात्रियों को सीढ़ियां न चढ़नी पड़े।

सिविल लाइंस में चार कारें सीज कराई

प्रयागराज। सिविल लाइंस बस अड्डे के पास डग्गामारी करने वाले गाड़ियों के खिलाफ सोमवार को रोडवेज कर्मचारियों ने कार्रवाई शुरू की। सिविल लाइंस पुलिस की मदद से वहां पर चार कारें सीज कराईं जो अवैध तरीके से वहां यात्रियों को बैठा रहे थे। पुलिस ने क्रेन मंगाकर गाड़ियों को सिविल लाइंस थाने भेज दिया। एआरएम सिविल लाइंस जयकरन ने बताया कि ये अभियान रोज चलेगा। कार सवार बनारस के यात्रियों को बैठा रहे थे।

बालक की हत्या की गुत्थी सुलझाने के करीब पहुंची पुलिस

प्रयागराज। नैनी क्षेत्र की महेवा नईबस्ती में तीन दिन पहले बालक की हत्या कर शव गुलाब के खेत में फेंक दिया गया था। पुलिस इस मामले में एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। सूत्रों की मानें तो सीसीटीवी फुटेज के आधार पर काफी हद तक हत्याकांड की गुत्थी सुलझ गई है। हत्या के पीछे परिवार के एक ही युवक पर शक है। फिलहाल पुलिस का दावा है कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। महेवा नईबस्ती निवासी मोहनलाल का 11 वर्षीय बेटा शरद 22 अगस्त की शाम लापता हो गया था। वह घर से अपनी मां के लिए मेहंदी खरीदने समीप ही एक दुकान पर गया था, लेकिन उसके बाद घर नहीं लौटा। परिजनों ने देर रात तक खोजबीन की, जबकि दूसरे दिन 23 अगस्त की सुबह घर से मात्र तीन सौ मीटर दूर गुलाब के खेत में शरद का शव मिला। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई थी। पुलिस ने घटनास्थल से लेकर बालक के घर तक लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को खंगाला। सूत्रों की मानें तो परिवार का ही एक युवक साइकिल से जाता दिखा है। पुलिस युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। डीसीपी यमुनानगर विवेकचंद्र यादव ने बताया कि सीसीटीवी व अन्य साक्ष्य के आधार पर एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

इविवि: अब हिन्दी के छात्र भी पढ़ेंगे इतिहास की उपलब्धियां

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) अब हिन्दी के विद्यार्थियों को इतिहास की गहराइयों से रूबरू कराएगा। हिन्दी विभाग ने पहली बार स्वतंत्रता संग्राम पर कौशल विकास आधारित दो क्रेडिट का पाठ्यक्रम तैयार किया है। पाठ्यक्रम का नाम 'स्वाधीनता आंदोलन की स्मृतियां रखा है। विभाग का मानना है कि इससे विद्यार्थियों में भाषा के साथ–साथ स्वतंत्रता संग्राम के दौर की ऐतिहासिक समझ भी विकसित होगी। अब तक हिन्दी विभाग के पाठ्यक्रमों में स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े टॉपिक शामिल नहीं थे। यह नया पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को न सिर्फ साहित्य और भाषा से जोड़ेगा, बल्कि उन्हें भारत के स्वतंत्रता संघर्ष की ऐतिहासिक यात्रा से भी परिचित कराएगा। मौजूदा सत्र में कुल 191 कौशल आधारित पाठ्यक्रम (स्कील बेस्ड कोर्स) तैयार किए गए हैं। इन सभी को मंगलवार को होने वाली एकेडमिक काउंसिल की बैठक में अनुमोदन के लिए रखा जाएगा।

केंद्रीय कृषि बीज भंडार में हुआ प्रशिक्षण का आयोजन

प्रयागराज। केंद्रीय कृषि बीज भंडार में सोमवार को बीज विक्रेताओं को प्रशिक्षण दिया गया। इसमें विशेषज्ञों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बीज की खरीद–बिक्री, रखरखाव और पारदर्शी व्यवस्था की संपूर्ण जानकारी दी गई है। जिला कृषि अधिकारी केके सिंह ने बताया कि बीज की आपूर्ति भी उर्वरक पीओएस की तरह ऑनलाइन होगी। कंपनी निर्माता, पासिंग अधिकारी, डीलर व रिटेलर सभी को लॉट नंबर सहित बीज उपलब्ध होंगे। प्रत्येक लेन–देन की एंट्री ऑनलाइन दर्ज करनी होगी, जिससे रिपैकेजिंग और धोखाधड़ी पर रोक लगेगी। बीज की अंकुरण क्षमता कम होने या सैंपल फेल होने पर संबंधित कंपनी को जवाबदेह ठहराया जाएगा और स्टॉक वापस लिया जाएगा। बिना लाइसेंस वाले रिटेलर को बीज उपलब्ध नहीं हो सकेंगे। इस मौके पर सहायक विकास अधिकारी मनीष अग्रहरि, मुकेश सिंह, नीरज सोनी, दिलीप कुमार चतुर्वेदी समेत कई लोग मौजूद रहे।

गणेश उत्सव हिंदू पंचांग के अनुसार अति महत्वपूर्ण

मुजफ्फरनगर। सिर्फ स्वर्ण रथ पर ही नहीं रेडी पर भी तैयार है गणेश जी आपके घर आने के लिए।गणेश चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक चलने वाला गणेश उत्सव हिंदू पंचांग के अनुसार अति महत्वपूर्ण है किसी भी व्रत पूजा अनुष्ठान इत्यादि से पूर्व गणेश जी का पूजन महत्व रखता है। महामृत्युंजय सेवा मिशन अध्यक्ष संजीव शंकर ने बताया कि 27 अगस्त 2025 बुधवार के

दिन सूर्योदय के समय चतुर्थी तिथि है अतः 27 सितंबर को गणेश जी की स्थापना कर 10 दिन। 6 सितंबर 2025 शनिवार अनंत चतुर्दशी तक गणेश उत्सव बनाने की परंपरा है। यह सामान्य जन अपने घर परिवार में भी रख सकता है।

जीवन में आ रहे विघ्नों को हरने, संकटों का नाश, व्यापार में उन्नति, परिवार में सुख समृद्धि आदि इच्छाओं की पूर्ति के लिए गणेश जी का पूजन करें। राहु की विपरीत परिस्थिति में दूब घास से गणेश जी का पूजन कर सकते हैं, गणेश जी को मोदक (लड्डू) अति प्रिय है, भगवान गणेश को प्रसन्न करने का साधारण उपाय है उनके 12 नाम जो इस प्रकार हैं: ऊँ सुमुखाय नमः, ऊँ एकदंताय नमः, ऊँ कपिलाय नमः, ऊँ गजकर्णाय नमः, ऊँ लंबोदराय नमः, ऊँ विकटाय नमः, ऊँ विघ्ननाशाय नमः, ऊँ विनायकाय नमः, ऊँ धूम्रकेतवे नमः, ऊँ गणाध्यक्षाय नमः, ऊँ भालचंद्राय नमः, और ऊँ गजाननाय नमः।

अवैध पैथोलॉजी केंद्रों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, दो लैब सील

मुजफ्फरनगर। स्वास्थ्य विभाग ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विपिन के नेतृत्व में अवैध रूप से संचालित हो रहे पैथोलॉजी केंद्रों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। निरीक्षण के दौरान, कई पैथोलॉजी केंद्रों का औचक मुआयना किया गया। निरीक्षण टीम ने पाया कि गोल्डन पैथोलॉजी सेंटर और 7 डेज़ पैथोलॉजी सेंटर बिना

किसी वैध लाइसेंस के चलाए जा रहे थे। इन केंद्रों पर न केवल आवश्यक दस्तावेज नहीं थे, बल्कि वे सरकारी नियमों और मानकों का भी उल्लंघन कर रहे थे। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और मरीजों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, दोनों केंद्रों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया है। निरीक्षण की इस कार्रवाई में संगम पैथोलॉजी, प्रीमियर पैथोलॉजी, और सरल पैथोलॉजी सेंटर का भी निरीक्षण किया गया। इन केंद्रों के दस्तावेजों और संचालन की जांच की जा रही है और जल्द ही इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने स्पष्ट किया कि अवैध रूप से चल रहे किसी भी स्वास्थ्य केंद्र को बख्शा नहीं जाएगा और मरीजों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा ताकि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

योगी सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए संकल्पित-राजभर

लखनऊ, संवाददाता। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में तीन दिवसीय रोजगार महाकुंभ का शुभारंभ किया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए श्रम मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि यूपी में आजादी के बाद 2017 तक जितने कारखाने रजिस्टर नहीं हुए उससे कहीं ज्यादा 2017 के बाद सीएम योगी के शासनकाल में पंजीकृत हुए हैं। योगी सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए संकल्पित है। महाकुंभ में देश की बहुचर्चित कंपनियों में करीब 50 हजार युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य है। आठवीं पास से परास्नातक और डिप्लोमा इंजीनियरिंग तक की शैक्षिक योग्यता रखने वाले युवा इस अवसर का लाभ ले सकते हैं। सेवायोजन विभाग की निदेशक नेहा प्रकाश ने बताया कि देश-विदेश की 100 से अधिक नामी कंपनियों के प्रतिनिधि इसमें हिस्सा लेंगे। रोजगार महाकुंभ में तीन मंचों के माध्यम से युवाओं को उनकी योग्यतानुसार, शहर व प्रदेश के साथ ही विदेशों में भी रोजगार के अवसर मिलेंगे। रोजगार कॉन्क्लेव में विशेषज्ञों के साथ युवाओं की सीधी बातचीत होगी।

विकसित भारतः 2047 प्लान-विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता

लखनऊ, संवाददाता। आज नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर लखनऊ की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी विंग द्वारा प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय की अध्यक्षता एवं एनसीसी अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी के नेतृत्व में 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल (डॉ.) दिनेश कुमार पाठक के निर्देशानुसार विकसित भारत / 2047 प्लान-विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें कैडेट्स ने विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समावेशी और सतत विकास अर्थात आर्थिक रूप से समृद्ध सामाजिक रूप से न्याय पूर्ण सांस्कृतिक रूप से गौरवशाली और तकनीकी रूप से उन्नत व पर्यावरणीय रूप से संतुलित भारत के निर्माण को रचनात्मक रूप में दर्शाया। प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय तथा कार्यक्रम संयोजक मेजर (डॉ.)मनमीत कौर सोढ़ी ने ने कहा कि विकसित भारत 2047 एक पहल है जिसका उद्देश्य भारत की स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक एक विकसित राष्ट्र बनने के आकांक्षा को साकार करना है।

हमलावरों के गिरफ्तारी, दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग

एनयूजे आई प्रयागराज ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा

प्रदेश कोषाध्यक्ष चौहान तथा उनकी पत्नी के हमलावारों की गिरफ्तारी, दोषी पुलिसकर्मियो पर कार्रवाई की मांग

नेशनल यूनियन ऑफ प्रयागराज। जर्नलिस्ट प्रयागराज (एनयूजे) जिला इकाई के संरक्षक पवन द्विवेदी, परवेज आलम तथा जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव के नेतृत्व मे एनयूजे आई प्रयागराज का प्रतिनिधी मंडल जिलाधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा से मिलकर मुख्यमंत्री उतर प्रदेश को सम्बोधित ज्ञापन आज सौंपा ।

ज्ञापन के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री से मांग किया कि नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट के प्रदेश कोषाध्यक्ष तथा वरिष्ठ पत्रकार अनुपम चौहान तथा उनकी पत्नी पर बीते 20 अगस्त को रात्रि 10. 45 पर लखनऊ के गोमती नगर मे बेब पिक्चर हाल के पास अराजक तत्वो ने जानलेवा हमला कर दिया, जब वह अपनी बीमार पत्नी का एमआरआई कराकर घर वापस लौट रहे थे। अनुपम चौहान ने एफआईआर कराने की बात कही तो मुंशी पुलिया चौकी पर तैनात पुलिस कर्मियो ने समझौता कराने के लिए दबाव बनाने लगे।

एनयूजे प्रयागराज ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से ज्ञापन के माध्यम से मांग किया कि हमलावारो की शीघ्र गिरफ्तारी हो और पुलिसकर्मियो की जांच कराकर दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाए।

ज्ञापन देने वालो प्रतिनिधी मंडल मे पवन दिवेदी परवेज आलम कुन्दन श्रीवास्तव उमेश श्रीवास्तव अखिलेश शुक्ला मनीष दिवेदी आयुष श्रीवास्तव कुलदीप सिंह रामबाबू मो0 शकील खान गौरव त्रिपाठी जीतेद्रं सिंह शिव पान्डेय अमित श्रीवास्तव भाल चद्रं पान्डेय शिव जी मालवीय मनोज कुमार देवेद्रं शुक्ला संजय निषाद बिहारी प्रताप यादव डॉ सुधाकर त्रिपाठी आदि लोग थे

इलाहाबाद विश्वविद्यालय से सम्बद्ध CMP डिग्री कॉलेज के विधि विभागाध्यक्ष को मिला 'राजभाषा गौरव पुरस्कार'

प्रो. (डॉ.) शिव शंकर सिंह को 'राजभाषा गौरव पुरस्कार 2024' से नवाज़ा जाएगा

प्रयागराज। शैक्षणिक एवं विधिक जगत के लिए गौरव का क्षण है कि ख्यातिप्राप्त विधिवेत्ता, लेखक एवं शिक्षाविद् प्रो. (डॉ) शिव शंकर सिंह को उनकी उल्लेखनीय पुस्तक "बौद्धिक सम्पदा अधिकार" के लिए भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा "राजभाषा गौरव पुरस्कार 2024" से सम्मानित किए जाने की घोषणा हुई है। उन्हें यह पुरस्कार "विधि" श्रेणी के अंतर्गत द्वितीय पुरस्कार के रूप में प्रदान किया जाएगा।

यह पुरस्कार उन्हें आगामी हिंदी दिवस समारोह 2025 एवं पांचवें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के अवसर पर भव्य आयोजन के दौरान प्रदान किया जाएगा। यह दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 14 और 15 सितंबर, 2025 को महात्मा मंदिर कन्वेंशन एवं एग्ज़िबिशन सेंटर, गांधीनगर, गुजरात में आयोजित होगा। देशभर से आए विशिष्ट अतिथियों एवं विद्वानों की गरिमामयी उपस्थिति में प्रो. (डॉ.) सिंह को यह सम्मान मंचासीन गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रदान किया जाएगा।

प्रो. (डॉ.) शिव शंकर सिंह वर्तमान में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सीएमपी डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के विधि विभाग में विभागाध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं। शिक्षण के साथ-साथ उन्होंने विधि क्षेत्र में हिंदी भाषा में मौलिक लेखन को विशेष बढ़ावा दिया है। उल्लेखनीय है कि प्रो. सिंह की विधि से संबंधित अब तक दस पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें पाँच हिंदी भाषा में तथा पाँच अंग्रेजी भाषा में हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने अब तक 40 शोध पत्र भी विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाशित किए हैं।

उनकी यह उपलब्धि न केवल प्रयागराज के लिए बल्कि पूरे विधि जगत और हिंदी साहित्य जगत के लिए भी गर्व का विषय है।

इस अवसर पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रो. (डॉ) शिव शंकर सिंह ने कहा – "यह सम्मान मेरे लिए अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय है। यह पुरस्कार केवल मेरी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि मेरे विद्यार्थियों, सहकर्मियों और उन सभी के सहयोग का परिणाम है जिन्होंने सदैव मुझे प्रेरित किया। हिंदी में विधि संबंधी लेखन को प्रोत्साहित करना मेरा दायित्व है और यह सम्मान मुझे और अधिक जिम्मेदारी का अहसास कराता है।" गौरतलब है कि राजभाषा गौरव पुरस्कार प्रतिवर्ष उन लेखकों, विद्वानों और शोधकर्ताओं को दिया जाता है जिन्होंने हिंदी भाषा में मौलिक लेखन कर विभिन्न विधाओं में महत्वपूर्ण योगदान किया हो। इस सम्मान की घोषणा से प्रयागराज के शैक्षणिक जगत एवं विधि संकाय से जुड़े शिक्षकों और विद्यार्थियों में हर्ष की लहर है।

सर्वेश कुमार सिंह बने कलम कारों के दूसरी बार प्रदेश अध्यक्ष

उपज की आम सभा में प्रदेश कार्यकारिणी का चुनाव

मथुरा। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन आफ जर्नलिस्ट्स (उपज) की आम सभा में सर्वसम्मति से कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न हुआ। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट ,उपज मथुरा के अध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल ने बताया कि उपज की आम सभा रविवार को शिवपुर वाराणसी स्थित मारवाड़ी धर्मशाला में संपन्न हुई। निर्वाचन प्रक्रिया चुनाव अधिकारी राजीव शुक्ल ने संपन्न कराई।कार्यकारिणी में 13 पदाधिकारी और 14 सदस्य निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए।

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि भाजपा नेता सदस्य विधान परिषद धर्मेंद्र सिंह ,विशिष्ट अतिथि के रूप में नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश शर्मा और महामंत्री त्रियुग नारायण तिवारी, राष्ट्रीय महिला संयोजक श्रीमती आभा निगम उपस्थित थीं। मंच पर उत्तर प्रदेश राज्य मुख्यालय मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति के सचिव भारत सिंह, महामंत्री आनंद कर्ण, कोषाध्यक्ष बालमुकुंद तिवारी, निर्वाचन अधिकारी राजीव शुक्ल, आयोजक इकाई के अध्यक्ष विनोद बागी और महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव मौजूद रहे। चुनाव अधिकारी राजीव शुक्ला ने प्रांतीय आम सभा में सर्वसहमति के बाद निर्विरोध चुने गए पदाधिकारियों के निर्वाचन की घोषणा की।

जिसमें अध्यक्ष सर्वेश कुमार सिंह (लखनऊ) को दूसरी बार कलम कारों ने अपना प्रदेश अध्यक्ष चुना।महामंत्री आनन्द कर्ण रायबरेली,उपाध्यक्ष विनोद बागी,मो.बिलाल किदवई,दिलीप कुमार गुप्ता,राकेश कुमार सिंह, बरेली,अजय कुमार, सलिल कुमार मिश्र,सुरेंद्र पाल सिंह, जयंत कुमार मिश्र ,ड़ा पुखराज सिंह मलिक ,वीरेंद्र कुमार,बाल मुकुन्द तिवारी,सैयद हसनैन कमर दीपू, प्रदीप श्रीवास्तव, सूर्य प्रकाश तिवारी,सुभाष चन्द्र, विवेकानन्द पाण्डे ,नाथ बख्श सिंह,आफताब आलम ,आलोक कुमार वाजपेयी, मिलिंद कुमार द्विवेदी,शिव नारायण सोनी, दिनेश चन्द्र शर्मा, रामनाथ सिंह, ललित कुमार, मनोज कुमार उज्ज्वल आदि प्रांतीय पदाधिकारी एवं सदस्य निर्विरोध निर्वाचित चुने गए।

नाम है जिसका भादो

भादो के बादल सदा, जल से हो परिपूर्ण।
नहीं ठहरते हैं कहीं, रहते हरदम तूर्ण।
रहते हरदम तूर्ण, करें बस मंगल मंगल।
अंचल हैं खुशहाल,मगन हैं सारे जंगल।
सुन लो कहें प्रदीप,व्यर्थ में इन्हें न साधो।
अन्तिम वर्षा माह, नाम है जिसका भादो।।

त्योहारों का कुंज बन, भादो का यह माह।
खुशहाली भर खेत में, सुगम करे हर राह।
सुगम करे हर राह,गजानन घर-घर आए।
स्वागत में पकवान,बनाकर सब हैं लाए।
सुन लो कहें प्रदीप,वक्त है जयकारों का
मोदक बना मिठास,आज सब त्योहारों का।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

कांग्रेस दफ्तर पहुंचे बी सुदर्शन रेड्डी, हुआ जोरदार स्वागत

लखनऊ, संवाददाता। उपराष्ट्रपति पद के इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी के लखनऊ आगमन पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना प्रमोद तिवारी तथा भारी संख्या में कांग्रेसजनों की उपस्थिति में उनका चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर स्वागत किया गया।इ सके बाद जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पहुंचे। जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी ने कार्यालय प्रांगण में स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, प्रथम प्रधानमंत्री

पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा ''मोना'' सांसद प्रमोद तिवारी किशोरी लाल शर्मा इमरान मसूद राकेश राठौर तनुज पुनिया विधायक वीरेन्द्र चौधरी पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी राष्ट्रीय प्रवक्ता अखिलेश प्रताप सिंह, पूर्व मंत्री नकुल दुबे के साथ चुनाव पर गंभीर चर्चा की। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पहुंचे जिनका उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष श्रीवास्तव हिंदवी ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया और उन्हें सम्मानपूर्वक बैठक में शामिल होने हेतु कक्ष तक पहुंचाया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी विधि विभाग के कोऑर्डिनेटर आसिफ रिजवी रिंकू, शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश कोऑर्डिनेटर डॉ अमित कुमार राय, को-कोऑर्डिनेटर प्रो श्रवण कुमार गुप्ता, मुख्य रूप से मौजूद रहे।जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी के कार्यालय आगमन पर पूर्व विधायक श्याम किशोर शुक्ला, गयादीन अनुरागी, निवर्तमान प्रदेश महासचिव मुकेश सिंह चौहान, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रूद्र दमन सिंह बब्लू, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी, डॉ शहजाद आलम, प्रदेश प्रवक्ता अंशू अवस्थी, प्रियंका गुप्ता, सचिन रावत, डॉ सुधा मिश्रा, डॉ प्रमोद कुमार पाण्डेय, सुशील तिवारी, कै वंशीधर मिश्रा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता द्विजेन्द्र त्रिपाठी, अनुसुईया शर्मा, वीरेन्द्र मदान, डॉ लालती देवी, प्रमोद सिंह, ओंकारनाथ सिंह, अरसी रजा, बृजेन्द्र सिंह, सुशीला शर्मा, डॉ रिचा शर्मा कौशिक, निहारिक सिंह, मेहताब जायसी, अयूब सिद्दकी, आलोक त्रिपाठी सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसजनों ने उनका स्वागत किया।

योगी सरकार ने 5 आईपीएस अफसरों का किया तबादला

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने मंगलवार को एक बार फिर तबादला एक्सप्रेस चलाया है। एमके बशाल समेत 5 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया है।

तबादला लिस्ट में एमके बशाल के अलावा आईपीएस जय नारायन सिंह, प्रशांत कुमार द्वितीय, उपेंद्र कुमार अग्रवाल, सतेंद्र कुमार के नाम शामिल हैं। 1990 बैच के आईपीएस अफसर एमके बशाल को पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश कार्पोरेशन से पुलिस महानिदेशक महासमादेष्टा होमगार्ड बनाया गया है। वहीं अपर पुलिस महानिदेशक पीटीसी के पद पर तैनात 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी जय नारायन सिंह को अपर पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश पॉवर कार्पोरेशन बनाया गया है।

सम्पादकीय.....

भगवान भरोसे स्कूल

यह देश की विडंबना ही कही जाएगी कि शिक्षा व्यवस्था को लेकर सरकारें कामचलाऊ नीतियों के भरोसे ही रहती हैं। एक तरफ देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में दस लाख स्वीकृत पद खाली पड़े हैं, वहीं देश में अथाह बेरोजगारी बनी हुई है। निस्संदेह, बच्चों की प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा उच्च शिक्षा की बुनियाद होती है, यदि बुनियाद ही कमजोर होगी तो राष्ट्र की इमारत कैसे मजबूत होगी? हाल ही में संसद की शिक्षा, महिला, बाल और खेल मामलों की स्थायी समिति ने खुलासा किया कि देश के शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों के दस लाख पद खाली हैं। विडंबना यह है कि पांच साल पहले भी शिक्षामंत्री ने देश में दस लाख साठ हजार शिक्षकों के पद रिक्त होने की बात कही थी। यह भी जानकारी सामने आयी है कि वर्ष 2019 से इन पदों पर भर्ती हुई ही नहीं है। यानी आधे दशक में हम इस दिशा में कुछ भी करने में नाकाम रहे हैं। विडंबना यह है कि पिछले साल आई एक रिपोर्ट में कहा गया था कि देश में एक लाख ऐसे प्राथमिक विद्यालय हैं जहां एक ही शिक्षक नियुक्त है। सोचा जा सकता है कि एक शिक्षक कैसे सभी कक्षाओं के बच्चों को सारे विषय पढ़ाता होगा? विसंगति यह भी है कि इतने शिक्षकों की कमी के बावजूद सेवारत शिक्षकों को विभिन्न सरकारी अभियानों का जिम्मा भी दिया जाता है। जिसका खमियाजा छात्र की भुगतते हैं। आखिर हम अपनी प्राथमिक शिक्षा की ये कैसी बुनियाद रख रहे हैं? चिंताजनक स्थिति यह है कि सरकारी स्कूलों को समय की जरूरत के हिसाब से पर्याप्त बजट नहीं मिल पाता। स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं का नितांत अभाव रहता है। कोरोना संकट ने सरकारी शिक्षण व्यवस्था की पोल खोली थी कि गिने–चुने स्कूलों में ही कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध थी। एक ओर देश के निजी स्कूलों में एआई और आधुनिक शिक्षण तकनीकों से ज्ञान दिया जा रहा है, वहीं सरकारी स्कूल शिक्षकों के लिये भी तरस रहे हैं। इन स्कूलों के पाठ्यक्रमों को समय की चाल में नहीं ढाला जा सका है। वहीं कौशल विकास की शिक्षा देना तो दूर की कौड़ी है। आखिर हम सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र–छात्राओं का कैसा भविष्य बना रहे हैं? क्या वे स्कूल–कालेजों से निकलकर वैश्विक चुनौतियों के साथ कदमताल कर पाएंगे? हम अपने छात्रों को वह आधुनिक ज्ञान नहीं दे पा रहे हैं जो आगे चलकर उन्हें बेहतर जीवनयापन के अवसर दे सके। सही मायनों में हम सरकारी स्कूलों के नाम पर बीमार भविष्य के कारखाने चला रहे हैं। जो कालांतर छोटी–मोटी नौकरी ही पा सकते हैं या फिर बेरोजगारी की अंतहीन शृंखला में खड़े हो जाते हैं। वहीं सरकारी स्कूलों के पाठ्यक्रम को भी समय की जरूरत के हिसाब से नहीं ढाला जा रहा है। उलटे पाठ्यक्रमों को राजनीतिक दलों की विचारधारा के हिसाब से ढालने का उपक्रम लगातार किया जाता रहा है। निश्चय ही ये स्थितियां इन बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ ही कही जाएंगी। अनुमान लगाना कठिन नहीं है कि हम भारत का कैसा भविष्य तैयार कर रहे हैं।

चरित्र और आदर्श की कीमत पर विकास निरर्थक

संजीव ठाकुर

आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है।

हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है, जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है, बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं। यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैं, सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं, मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए, यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है, जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है, यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है, मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिए,इसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है, और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है, भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही है,ऋषि–मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम,मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था। परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है। आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता है अन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता।

मोदी या ट्रंप... कौन रुकवायेगा रूस–यूक्रेन युद्ध?

नीरज कुमार दुबे

युद्ध से थकी हुई यूरोप की राजनीति, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय तनाव यह संकेत दे रहे हैं कि अब रूस–यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की खोज बहुत जरूरी हो गयी है। इस बीच दो घटनाएँ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। पहली, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ने भी मोदी से वार्ता की। इस साल के अंत में पुतिन भारत आने वाले हैं और उससे पहले जेलेंस्की भी भारत आ सकते हैं। यही नहीं, मोदी–पुतिन मुलाकात जल्द ही चीन में होने वाले एससीओ सम्मेलन में होगी तो दूसरी ओर सितंबर में न्यूयॉर्क में मोदी–जेलेंस्की मुलाकात होने की भी पूरी–पूरी संभावना है। साफ़ है कि कूटनीति के मौन ज्यादा व्यावहारिक और संतुलित है। वह रूस और यूक्रेन, दोनों से गहन संवाद बनाए हुए हैं और "यह युद्ध का युग नहीं है" की अपनी उद्घोषणा को अब ठोस प्रयासों से सार्थक बना रहे हैं। भारत की यह भूमिका ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है। हम आपको याद दिला दें कि शीतयुद्ध के दौर में भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन सुर्ख़ियों के पीछे घटित होती है। रूस और यूक्रेन दोनों के साथ समान स्तर पर संवाद बनाए रखने की भारत की क्षमता इस बात का प्रमाण है कि नई दिल्ली न केवल इस युद्ध के समाधान की कुंजी रखती है, बल्कि एक नई विश्व व्यवस्था के निर्माण में भी केंद्रीय भूमिका निभा सकती है। इसके अलावा, जहाँ ट्रंप युद्ध समाप्त करवाने के लिए कभी वार्ता तो कभी धमकी देने तथा कभी पेनल्टी के रूप में टैरिफ बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं वहीं मोदी चुपचाप रूस–यूक्रेन युद्ध के समापन की वास्तविक ज़मीन तैयार कर रहे हैं। देखा जाये तो रूस–यूक्रेन युद्ध को समाप्त करवाने की दिशा में चल रहे प्रयासों को देख रही दुनिया के मन में इस समय यही सवाल है कि कौन–सा नेता निर्णायक भूमिका निभा सकता हैक् डोनाल्ड ट्रंप या नरेंद्र मोदी? ट्रंप की भूमिका को देखें तो अमेरिका ऐतिहासिक रूप से यूक्रेन का सबसे बड़ा समर्थक रहा है। आर्थिक मदद, हथियार आपूर्ति और कूटनीतिक समर्थन तीनों ही स्तरों पर अमेरिका यूक्रेन की मदद कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के बाद रूस से नज़दीकी साधने की कोशिश की, लेकिन अमेरिका की आंतरिक राजनीति और नाटो की सुरक्षा प्रतिबद्धताओं के कारण वह रूस और यूक्रेन के बीच निष्पक्ष मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभा पा रहे हैं। आज भी ट्रंप के प्रयास सीमित हैं क्योंकि अमेरिका का घोषित रुख रूस के प्रति शत्रुतापूर्ण है। इसके अलावा, नाटो की रणनीतिक अनिवार्यता ट्रंप को संतुलित मध्यस्थ नहीं रहने देती। इसके अलावा, पुतिन पर अमेरिकी प्रतिबंध और सैन्य दबाव किसी भी "विश्वसनीय संवाद" की संभावना को कमज़ोर करते हैं। दूसरी ओर, भारत का रुख शुरुआत से ही अलग रहा है। मोदी ने न युद्ध का समर्थन किया, न किसी पक्ष का खुला विरोध किया। भारत ने बार–बार "संवाद और कूटनीति" की वकालत की है। इससे मोदी की स्थिति विशिष्ट बनती है। भारत–रूस की "चमबपंस दक च्तपअपसमहमक जतंजमहपब च्तजदमतीपच" दशकों पुरानी है। रक्षा, ऊर्जा और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग के कारण पुतिन मोदी की बातों को गंभीरता से लेते हैं। साथ ही मोदी ने ज़ेलेंस्की से भी निरंतर संपर्क बनाए रखा है। ज़ेलेंस्की की संभावित भारत यात्रा इस बात का प्रमाण है कि यूक्रेन भी भारत को भरोसेमंद मध्यस्थ मानता है। हम आपको यह भी बता दें कि भारत का जी–20 अध्यक्षता काल दिखा चुका है कि भारत पश्चिम और पूर्व, दोनों खेमों के बीच पुल का काम कर सकता है। भारत न तो नाटो का हिस्सा है, न रूस का विरोधी गुट। यही तटस्थता उसे "सच्चा मध्यस्थ" बनाती है। जहां तक यह सवाल है कि रूस–यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने की दिशा में मोदी कैसे ट्रंप से अधिक अहम साबित हो सकते हैं? तो इसका जवाब यह है कि पुतिन ट्रंप को एक प्रतिद्वंद्वी राष्ट्र के नेता के रूप में देखते हैं, जबकि मोदी को रणनीतिक साझेदार और मित्र के रूप में देखते हैं। साथ ही ट्रंप केवल यूक्रेन या नाटो के दबाव में नहीं हैं, बल्कि अमेरिकी राजनीति से बंधे हैं। वहीं मोदी दोनों पक्षों से बिना पूर्वाग्रह बातचीत कर सकते हैं। इसके अलावा, भारत की ऊर्जा ज़रूरतें, आर्थिक क्षमता और भू–राजनीतिक स्थिति उसे युद्धविराम के बाद की "शांति संरचना" में भी महत्वपूर्ण बनाती है। साथ ही मोदी की "लीडर–टू–लीडर" डिप्लोमेसीकृ चाहे ट्रंप हों, पुतिन हों या ज़ेलेंस्की, व्यक्तिगत विश्वास कायम करती है, जो युद्ध सुलझाने में निर्णायक होता है। बहरहाल, जहाँ ट्रंप की भूमिका अमेरिका की सामरिक अनिवार्यताओं और नाटो की सीमाओं में बंधी है, वहीं मोदी एक "तटस्थ लेकिन प्रभावशाली" नेता के रूप में उभरे हैं। यदि ज़ेलेंस्की की भारत यात्रा होती है और वर्ष के अंत में पुतिन भी नई दिल्ली आते हैं, तो भारत दुनिया का इकलौता ऐसा मंच बन सकता है जहाँ दोनों नेताओं का संवाद संभव हो। इसलिए रूस–यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने की दिशा में डोनाल्ड ट्रंप से कहीं अधिक नरेंद्र मोदी की भूमिका निर्णायक और ऐतिहासिक साबित हो सकती है।

अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात और दूसरी, भारतदृयूक्रेन तथा भारत–रूस के बीच ऊँचे स्तर का बढ़ता कूटनीतिक संवाद, जिसमें राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति जेलेंस्की की संभावित भारत यात्रा सबसे अहम है। यह भी महज़ संयोग नहीं है कि पुतिन ने ट्रंप से मुलाकात के पहले और बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। इसके तुरंत बाद जेलेंस्की गलियारों में भारत एक ऐसा ध्रुव बन चुका है, जिसके इर्द–गिर्द युद्धविराम की संभावनाएँ गढ़ी जा रही हैं। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी शैली के अनुरूप मीडिया के सामने रोज़ यह दावा करते हैं कि वह युद्ध समाप्त करवा सकते हैं। लेकिन उनका यह दृष्टिकोण ज़्यादातर चुनावी और जनमत–निर्माण की राजनीति से जुड़ा है। इसके विपरीत, नरेंद्र मोदी का रुख़ के जरिये वैश्विक तनाव को संतुलित करने का प्रयास किया था। आज, वही भूमिका भारत एक जिम्मेदार शक्ति की तरह निभा रहा है। पश्चिम को यह स्पष्ट हो रहा है कि ट्रंप की घोषणाओं से अधिक असरदार है मोदी की "शांत डिप्लोमेसी", जो न तो शोर मचाती है और न ही श्रेय लेने की होड़ में रहती है। देखा जाये तो अंतरराष्ट्रीय राजनीति में असली कूटनीति अक्सर

संपादक के विस्थापन का कठिन समय!

प्रो. संजय द्विवेदी

हिंदी पत्रकारिता के 200 साल की यात्रा का उत्सव मनाते हुए हमें बहुत से सवाल परेशान कर रहे हैं जिनमें सबसे खास है 'संपादक का विस्थापन'। बड़े होते मीडिया संस्थान जो स्वयं में एक शक्ति में बदल चुके हैं, वहां संपादक की सत्ता और महत्ता दोनों कम हुई है। अखबारों से खबरें भी नदारद हैं और विचार की जगह भी सिकुड़ रही है। बहुत गहरे सौंदर्यबोध और तकनीकी दक्षता से भरी प्रस्तुति के बाद भी अखबार खुद को संवाद के लायक नहीं बना पा रहे हैं। यह ऐसा कठिन समय है जिसमें रंगीनियां तो हैं पर गहराई नहीं। हर तथ्य और कथ्य का बाजार पहले ढूंढा जा रहा है, लिखा बाद में जा रहा है। नए समय में पत्रकारिता को सिर्फ कौशल या तकनीक के सहारे चलाने की कोशिशें हो रही हैं। जबकि पत्रकारिता सिर्फ कौशल नहीं बहुत गहरी संवेदना के साथ चलने वाली विधा है। जहां शब्द हैं, विचार हैं और उसका समाज पर पड़ने वाला प्रभाव है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या पत्रकारिता के पारंपरिक मूल्य और सिद्धांत अप्रासंगिक हो गए हैं या नए जमाने में ऐसा सोचना ठीक नहीं है। डिजिटल मीडिया की मोबाइल जनित व्यस्तता ने पढ़ने, गुनने और संवाद का सारा समय खा–पचा लिया है। जो मोबाइल पर आ रहा है,वही हमें उपलब्ध है। हम इसी से बन रहे हैं, इसी को सुन और गुन रहे हैं। ऐसे खतरनाक समय में जब अखबार पढ़े नहीं, पलटे जाने की भी प्रतीक्षा में हैं। दूसरी ओर वाट्सअप में अखबारों के पीडीएफ तैर रहे हैं। कुछ ऐसे हैं जो पीडीएफ पर ही छपते हैं। अखबारों को हाथ में लेकर पढ़ना और ई–पेपर की तरह पढ़ना दोनों के अलग अनुभव हैं। नई पीढ़ी मोबाइल सहज है। उसने मीडिया घरानों के एप मोबाइल पर ले रखे हैं। वे अपने काम की खबरें देखते हैं। 'न्यूज यू कैन यूज' का नारा अब सार्थक हुआ है। खबरें भी पाठकों को चुन रही हैं और पाठक भी खबरों को चुन रहे हैं। यह कहना कठिन है कि

अखबारों की जिंदगी कितनी लंबी है। 2008 में 'प्रिंट इज डेट किताब' लिखकर जे. गोमेज इस अवधारणा को बता चुके हैं। सवाल यह नहीं है कि अखबार बचेंगे या नहीं मुद्दा यह है कि पत्रकारिता बचेगी या नहीं। उसकी संवेदना, उसका कहन, उसकी जनपक्षधरता बचेगी या नहीं। संपादक की सत्ता पत्रकारिता की इन्हीं भावनाओं की संरक्षक थी। संपादक अखबार की संवेदना, भाषा, उसके वैचारिक नेतृत्व,समाजबोध का संरक्षण करता था। उसकी विदाई के साथ कई मूल्य भी विदा हो जाएंगें। गुमनाम संपादकों को अब लोग समाज में नहीं जानते हैं। खासकर हिंदी इलाकों में अब पहचान विहीन और 'ब्रांड' वादी अखबार निकाले जा रहे हैं। अब संपादक के होने न होने से फर्क नहीं पड़ता। उसके लिखने न लिखने से भी फर्क नहीं पड़ता। न लिखे तो अच्छा ही है। पहचानविहीन चेहरों की तलाश है, जो अखबार के ब्रांड को चमका सकें। संपादक की यह विदाई अब उस तरह से याद भी नहीं की जाती। पाठकों ने 'नए अखबार' के साथ अनुकूलन कर लिया है। 'नया अखबार' पहले पन्ने पर भी किसी भी प्रोडक्ट का एड छाप सकता है, संपादकीय पन्ने को आधा कर विचार को हाशिए लगा सकता है। खबरों के नाम पर एजेंडा चला सकता है। 'सत्य' के बजाए यह 'नरेटिव' के साथ खड़ा है। यहां सत्य रचे और तथ्य गढ़े जा सकते हैं। उसे बीते हुए समय से मोह नहीं है वह नए जमाने का 'नया अखबार' है। वह विचार और समाचार नहीं कंटेट गढ़ रहा है। उसे बाजार में छा जाने की ललक है। उसके टारगेट पर खाये–अघाए पाठक हैं जो उपभोक्ता में तब्दील होने पर आमादा हैं। उसके कंटेंट में लाइफ स्टाइल की प्रमुखता है। वह जिंदगी को जीना और मौज सिखाने में जुटा है। इसलिए उसका जोर फीचर पर है, अखबार को मैग्जीन बनाने पर है। अखबार बहुत पहले 'रंगीन' हो चुका है, उसका सारा ध्यान अब अपने सौंदर्यबोध पर है। वह 'प्रजेंटेबल' बनना चाहता है। अपनी समूची प्रस्तुति में ज्यादा रोचक और ज्यादा जवान। उसे लगता है कि उसे सिर्फ युवा ही पढ़ते हैं और वह यह भी मानकर चलता है कि युवा को गंभीर चीजें रास नहीं आतीं। यह 'नया अखबार' अब संपादक की निगरानी से मुक्त है। मूल्यों से मुक्त। संवेदनाओं से मुक्त। भाषा के बंधनों से मुक्त। यह भाषा सिखाने नहीं बिगाड़ने का माध्यम बन रहा है। मिश्रित भाषा बोलता हुआ। संपादक की विदा के बहुत से दर्द हैं जो दर्ज नहीं है। नए अखबार ने मान लिया है कि उसे नए पाठक चुनने हैं। बनाना है उन्हें नागरिक नहीं, उपभोक्ता। ऐसे कठिन समय में अब सक्रिय पाठकों का इंतजार है। जो इस बदलते अखबार की गिरावट को रोक सकें। जो उसे बता सकें कि उसे दृश्य माध्यमों से होड़ नहीं करनी है। उसे शब्दों के साथ होना है। विचार के साथ होना है। हिंदी के संपादकाचार्य बाबूराव विष्णु पराड़कर ने कहा था, ''पत्र निकालकर सफलतापूर्वक चलाना बड़े–बड़े धनियों अथवा सुसंगठित कंपनियों के लिए ही संभव होगा। पत्र सर्वांग सुंदर होंगे। आकार बड़े होंगे, छपाई अच्छी होगी, मनोहर, मनोरंजक और ज्ञानवर्द्धक चित्रों से सुसज्जित होंगे, लेखों में विविधता होगी, कल्पकता होगी, गंभीर गवेषणा की झलक होगी, ग्राहकों की संख्या लाखों में गिनी जाएगी। यह सब कुछ होगा पर पत्र प्राणहीन होंगे। पत्रों की नीति देशभक्त, धर्मभक्त अथवा मानवता के उपासक महाप्राण संपादकों की नीति न होगी– इन गुणों से संपन्न लेखक विकृत मस्तिष्क समझे जाएंगे, संपादक की कुर्सी तक उनकी पहुंच भी न होगी। वेतनभोगी संपादक मालिक का काम करेंगे और बड़ी खूबी के साथ करेंगे। वे हम लोगों से अच्छे होंगे। पर आज भी हमें जो स्वतंत्रता प्राप्त है वह उन्हें न होगी। वस्तुतः पत्रों के जीवन में यही समय बहुमूल्य है।" श्री पराड़कर की यह भविष्यवाणी आज सच होती हुई दिखती है। समानांतर प्रयासों से कुछ लोग विचार की अलख जगाए हुए हैं। लेकिन जरूरी है कि हम अपने पाठकों के सक्रिय सहभाग से मूल्य आधारित पत्रकारिता के लिए आगे आएं। तभी उसकी सार्थकता है।

हुनर तो सभी में होता है, बुजुर्ग महिला की सुरीली आवाज के दीवाने हुए सोनू सूद

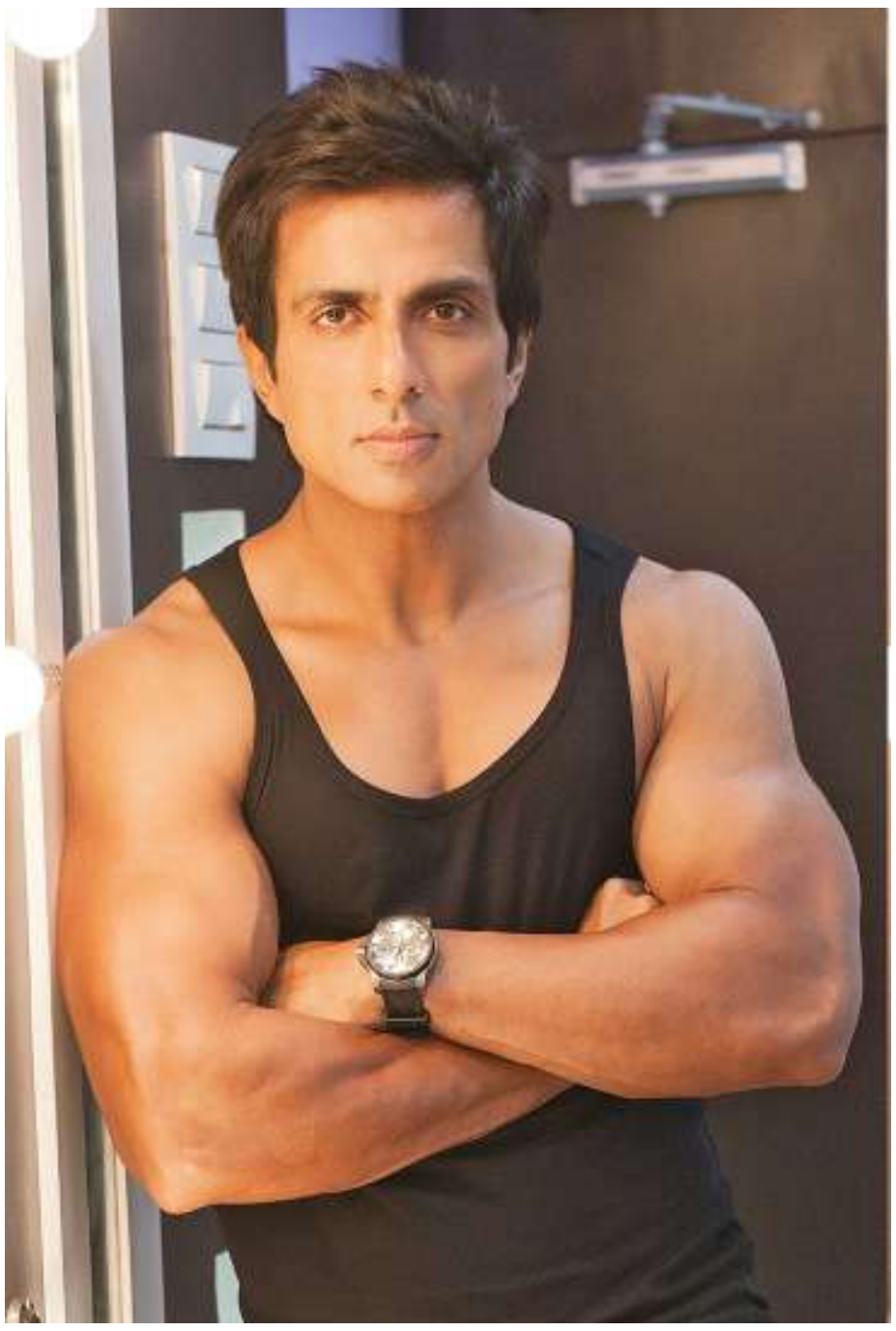

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद फैंस के लिए स्टार ही नहीं बल्कि उनका मसीहा भी हैं। लॉकडाउन के दौरान लोगों की मदद करके उन्होंने सबके दिलों में जो जगह बनाई है वो कभी खत्म नहीं हो सकता। उनकी फिल्में चले न चले लेकिन वो हर उस दिल के लिए सबसे बड़े हीरो हैं। सोनू सूद अक्सर सोशल मीडिया पर कुछ न कुछ ऐसा शेयर करते हैं, जो दिल को छू जाता है। चाहे वो किसी जरूरतमंद की मदद हो या किसी अनदेखी प्रतिभा को दुनिया के सामने लाने की बात हो। आज सोमवार को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक ऐसा वीडियो शेयर किया जिसपर हर कोई उनकी तारीफ कर रहा। वीडियो में सोनू सूद एक बुजुर्ग महिला के पास बैठे नजर आ रहे हैं। वीडियो की शुरुआत में वो कहते हैं–ये अम्मा कमाल की सिंगर हैं। इसके बाद वो काफी विनम्रता से उनसे कुछ गाने की गुजारिश करते हैं। बुजुर्ग महिला मुस्कराते हुए मराठी भाषा का एक गीत गाना शुरू करती हैं। उनका सुर, उनकी तारीफें करने लग जाते हैं। उनका लय और आवाज सुनकर सोनू उनकी

गाना खत्म होने के बाद सोनू सूद उनकी तारीफ करते हैं और मुस्कराते हुए कहते हैं–बहुत बढ़िया, आप आर्टिस्ट हैं। यह सुनकर अम्मा के चेहरे पर खुशी आ जाती है और वह सोनू सूद को आशीर्वाद देती हैं।वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते करते हुए एक प्यारा सा कैप्शन लिखा–हुनर तो सभी में होता है। किसी का छिप जाता है, किसी का छप जाता है। अम्मा, आप कमाल हो। गणपति बप्पा मोरया।

1 घंटे में री–स्टोर हुआ श्रद्धा कपूर का लिंक्डइन अकाउंट,पहले फेक समझ कर दिया था ब्लॉक

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर के साथ हाल ही में थोड़ा अजीब लेकिन मजेदार वाकया हुआ। दरअसल, एक्ट्रेस का का लिंक्डइन प्रीमियम अकाउंट गायब हो गया! दिलचस्प बात यह है कि श्रद्धा ने जहां अपना ही अकाउंट इस्तेमाल नहीं कर पाने को लेकर प्रोफेशनल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से गुहार लगाई है वहीं लिंक्डइन ने एक घंटे के भीतर इसे री–स्टोर कर दिया। ऐसे में बहुत से यूजर्स ने दावा किया कि यह फेक है जिसके चलते लिंक्डइन ने भी एक्शन लेते हुए अकाउंट को ब्लॉक कर दिया। फिर श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर इसे लेकर अपील की थी। उन्होंने लिखा था, डियर /सपदामकपदऋपद, मैं अपना अकाउंट इस्तेमाल नहीं कर पा रही हूं, क्योंकि लिंक्डइन को लगता है कि यह फर्जी है। क्या कोई मेरी मदद कर सकता है? अकाउंट बना हुआ है, प्रीमियम और वेरिफाइड है लेकिन अब कोई इसे नहीं देख पा रहा। श्रद्धा ने आगे लिखा था– मैं अपनी एंटरप्रेन्योर की यात्रा को इस पर शेयर करना चाहती हूं पर लगता है अकाउंट बनाना मेरे लिए अपने आप में एक यात्रा बन गई है। खैर अब श्रद्धा कपूर का अकाउंट री–स्टोर हो गया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो श्रद्धा कपूर की पिछली रिलीज स्त्री 2 बीते साल 15 अगस्त 2024 को रिलीज हुई थी। इसने बॉक्स ऑफिस पर देश में 597.99 करोड़ का नेट बिजनस और वर्ल्ड्वाइड 857.15 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया था। इस सीक्वल फिल्म की ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद मेकर्स अब स्त्री 3 की तैयारी में जुटे हैं, जो साल 2027 में रिलीज होने वाली है। इसके अलावा श्रद्धा कपूर निखिल द्विवेदी की फिल्म नागिन में नजर आने वाली हैं।

ए.आर. रहमान के खास म्यूजिक के साथ बिना शब्दों का मजेदार सफर है जी. अशोक की उफ्फ ये सियापा

जी. अशोक द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म उफ्फ ये सियापा का जबरदस्त ट्रेलर रिलीज हो गया है। बता दें कि इसकी खास बात यह है कि बिना बोले यह फिल्म दर्शकों को एक नए और अनोखे सफर पर अपने संग लेकर जाने वाली है। ऐसे में उफ्फ ये सियापा 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। बिना किसी डायलॉग के पूरी तरह से बनाई गई यह फिल्म विजुअल स्टोरीटेलिंग, सिचुएशनल कॉमेडी और खास कर के ऑस्कर विजेता संगीतकार ए.आर. रहमान के कमाल के गानों पर निर्भर है। उफ्फ ये सियापा गलतियों से भरी एक अनोखी, बिना डायलॉग्स की कॉमेडी है, जिसमें केसरी लाल सिंह (सोहम शाह), एक शर्मीला आम आदमी है, जो खुद को एक मुश्किल में उलझा बैठता है। केसरी लाल सिंह की पत्नी पुष्पा (नुसरत भरुचा) उसे छोड़कर चली जाती है, दरअसल उसे लगता है कि उसका पति अपनी पड़ोसन कामिनी (नोरा फतेही) के साथ फ्लर्ट कर रहा है। जबकि मामला इससे अलग होता है। लेकिन इससे पहले कि वह अपना नाम साफ कर पाता, गलत तरीके से उसके पास एक ड्रग पार्सल पहुंच कर उसकी मुश्किल बढ़ा देता है। इस तरह से उसकी मुश्किलों का सिलसिला शुरू हो जाता है, सबसे बुरी बात यह होती है कि उसके घर में एक लाश मिल जाती है। जैसे ही केसरी इस मुसीबत से बाहर निकलने की कोशिश करता है, एक और लाश मिल जाती है, जिससे उसका घर पूरी तरह से क्राइम सीन बन जाता है। घ्इन सब के बीच, मुसीबत को और बढ़ाने के लिए, पुलिस इंस्पेक्टर हसमुख (ओमकार कपूर) अपने खास मकसद के साथ वहाँ आता है, जिससे और भी हंगामा मच जाता है। फिल्म के ट्रेलर के बारे में बात करते हुए डायरेक्टर जी. अशोक ने कहा, फिल्म उफ्फ ये सियापा मेरे दिल के बहुत करीब है। मेरा डांस और कोरियोग्राफी का बैकग्राउंड होने की वजह से, मुझे बस एक्सप्रेशन से कहानी कहने का भरोसा था। मुझे अपनी कास्ट सोहम, नुसरत, नोरा, ओमकार पर गर्व है, क्योंकि इन्होंने अपने किरदारों को खूबसूरती से जिया है। इस फिल्म की जान रहमान सर का म्यूजिक है, जो फिल्म की भावनाओं और उथल पुथल को पूरी तरह से दिखाता है। मैं लव और अंकुर का शुक्रगुजार हूँ कि उन्होंने इस फिल्म पर भरोसा किया और मेरे इस विजन का साथ दिया। फिल्म के लिए म्यूजिक कंपोज करने पर बात करते है ए.आर. रहमान ने कहा, इस मजेदार फिल्म के लिए म्यूजिक कंपोज करते वक्त, हमने कई तरह के म्यूजिक के साथ अलग–अलग प्रयोग किया है। आपको बता दें कि श्उफ्फ ये सियापाश लव फिल्म्स की पेशकश है। इसे जी. अशोक ने लिखा और डायरेक्ट किया है, जबकि इसे लव रंजन और अंकुर गर्ग द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। उफ्फ ये सियापा 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

मैं संन्यास लूंगा हेरा फेरी 3 बनाने के बाद रिटायरमेंट लेंगे प्रियदर्शन

अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल स्टारर फिल्म हेरा फेरी 3 बीते लंबे समय से चर्चा में हैं। बीते दिन खबर आई थी कि परेश रावल ने फिल्म से कन्नी काट ली है लेकिन अब लगता है कि सब ठीक हो गया है। इन सबके बीचे अब डायरेक्टर प्रियदर्शन ने बताया है कि वह जल्द ही अधूरे प्रोजेक्ट्स को पूरा करने के बाद रिटायरमेंट ले लेंगे। प्रियदर्शन ने ओनमनोरमा से बातचीत में अपनी रिटायरमेंट प्लानिंग के बारे में खुलकर बात की और कहा, इन फिल्मों को पूरा करने के बाद, मैं रिटायर होने का सोच रहा हूं। मैं थक गया हूं। सीक्वल के बारे में उन्होंने बताया, मैं आमतौर पर अपनी मूल फिल्मों के सीक्वल नहीं बनाता यह मेरी पसंदीदा काम करने की शैली नहीं है। लेकिन मैं हेरा फेरी 3 जरूर बनाऊंगा क्योंकि निर्माता लंबे समय से इसकी मांग कर रहे हैं। प्रियदर्शन ने पुष्टि की कि हैवान उनकी मलयालम फिल्म ओप्पम का रीमेक है लेकिन इसमें कई बड़े बदलाव किए गए हैं। फिल्ममेकर ने कहा, उनका किरदार दर्शकों के लिए निश्चित रूप से एक सरप्राइज होगा। अक्षय के साथ अपने तालमेल के बारे में कहा, यह सब कम्फर्ट की बात है। मेरे लिए, वह बॉलीवुड के मोहनलाल हैं। हैवान में श्रेया पिलगांवकर और सैयामी खेर भी होंगी। कोच्चि शेड्यूल पूरा करने के बाद, टीम वागामोन, ऊटी और बाद में मुंबई का रुख करेगी। इसमें अक्षय कुमार खलनायक के रोल में नजर आएंगे।

गोविंदा-सुनीता तलाक अफवाहों पर पहलाज निहलानी का दावा- वो कभी जुदा नहीं होंगे!

गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा की शादी को लेकर चर्चा फिर से शुरू हो गई है, लेकिन अभिनेता की टीम का कहना है कि इन नई अटकलों में कोई सच्चाई नहीं है। हाल ही में आई खबरों में दावा किया गया था कि सुनीता ने व्यभिचार, क्रूरता और परित्याग का हवाला देते हुए 5 दिसंबर, 2024 को बांद्रा फैमिली कोर्ट में आधिकारिक तौर पर तलाक के लिए अर्जी दी है। वरिष्ठ फिल्म निर्माता और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के पूर्व प्रमुख पहलाज निहलानी ने गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा की शादी को लेकर चल रही चर्चाओं पर अपनी राय रखी है। हाल ही में, एक रिपोर्ट में बताया गया था कि सुनीता ने तलाक के लिए अर्जी दी है। इन अफवाहों पर टिप्पणी करते हुए, निहलानी ने मतभेद की अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया और ज़ोर देकर कहा कि उन्होंने इस जोड़े के बीच कभी ऐसा कुछ नहीं देखा जिससे अलगाव का संकेत मिले। इसके बजाय, उन्होंने उन्हें ष्दोस्त बताया जो एक साथ काम करते और रहते हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें कभी गोविंदा को फ़ोन करके चीज़ें ठीक करने का मन हुआ, तो निहलानी ने कहा नहीं, जीवन में किसी को सलाह देना बहुत गलत है।ष आगे समझाते हुए उन्होंने कहा, ष्सलाह देना मतलब अपने आप को नीचे गिराने वाली बात है। कि खुद पागल बन जाओ। सच्चाई बोलना और सच्चाई सुनना बहुत बुरा है।ष व्यक्तिगत और व्यावसायिक रूप से गोविंदा की प्रशंसा करते हुए, निहलानी ने कहा, ष्तो मैं तो बहुत सी चीज हूं, गोविंदा की आज तक एक अभिनेता के रूप में एक व्यक्ति के रूप में मतलब है कि कभी बुराई कभी नई करुगा। उसके काम को लेके, उसके आसपास को लेके में बात करता हूं।ष उन्होंने यह भी बताया कि बाहरी प्रभाव इस स्टार को कैसे प्रभावित करते हैं। उसकी सोच ना कभी कभी गड़बड़ होती है, क्योंकि लोगों को सुन सुन कुछ खिलाते हैं और वो मान जाता है।" क्या सुनीता अब गोविंदा का काम देखती हैं, इस पर निहलानी ने जवाब दिया, ष्पता नहीं वो तो मुझे। मैं तो भोला भैया हूँ, वो तो कभी अलग नहीं होंगे।ष तलाक की अफवाहों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा, षकिसी ने कहा कि उन्होंने तलाक भी फाइल किया, मैंने कहा श्वे दोस्त जैसे हैंश, एक परिवार के तौर पर बोलो, एक वर्क पार्टनर के तौर पर सोचो कभी ऐसा दोनों के बीच में देखा नहीं।ष निहलानी ने ज़ोर देकर कहा कि यह चर्चा उनके द्वारा व्यक्तिगत रूप से देखी गई बातों से मेल नहीं खाती, उन्होंने अलगाव के बजाय दोस्ती और साझेदारी पर ज़ोर दिया। फिल्म निर्माता ने यह भी याद किया कि कैसे उन्हें गोविंदा और सुनिता की शादी के बारे में बहुत बाद में पता चला। ष्मुझे मालूम ही नहीं था। शादी भी होगी वो भी नई मालूम थी, 86 के बाद ही किया उसने लेकिन मुझे नई मालूम थी। गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा ने पीटीआई को बताया कि इन खबरों में कुछ भी नया नहीं है।

अब इंजेक्शन से घटेगा वजन, भारत में 'वेगोवी' लॉन्च, जानिए कैसे करेगा काम

बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी इस समस्या का शिकार हो रहे हैं। वहीं बच्चों के मोटापे के मामलों में 8.4ः वृद्धि हुई है। लोगों को मोटापे की इस बढ़ती समस्या से बचाने के लिए नोवो नॉर्डिस्क ने भारत में वेगोवी नामक इंजेक्शन लॉन्च किया है।

आज के समय में सभी उम्र के लोगों में बढ़ते वजन की समस्या देखी जा सकती है। हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो मोटापा एक गंभीर वैश्विक स्वास्थ्य संकट है, जोकि सभी उम्र के लोगों को प्रभावित कर रही है। वैश्विक स्तर पर देखें, तो एक अरब से ज्यादा लोग मोटापे का शिकार हैं। साल 1975 के बाद से मोटापे की व्यापकता तीन गुना से ज्यादा है। साल 2023 के आंकड़ों पर नजर डालें, तो भारत में मोटापे की समस्या काफी तेजी से बढ़ रही है।

बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी इस समस्या का शिकार हो रहे हैं। वहीं बच्चों के मोटापे के मामलों में 8.4ः वृद्धि हुई है। लोगों को मोटापे की इस बढ़ती समस्या से बचाने के लिए नोवो नॉर्डिस्क ने भारत में वेगोवी नामक इंजेक्शन लॉन्च किया है। यह दावा किया जा रहा है कि मोटापे की समस्या को कंट्रोल करने और इसकी वजह से होने वाली हार्ट की समस्याओं को कम करने में सहायता मिल सकती है।

वजन कंट्रोल करने वाली दवा– वेगोवी

डेनिश दवा निर्माता नोवो नॉर्डिस्क ने भारत में अपनी वजन घटाने वाली दवा वेगोवी लॉन्च की है। वेगोवी में सेमाग्लूटाइड है, जोकि भूख को कंट्रोल करने में मदद करती है। इससे आप ओवरईटिंग से बच सकते हैं। बता दें यह भारत में लॉन्च की गई पहली दवा है, जिसे मोटापा ग्रस्त लोगों में दीर्घकालिक रूप से वेट कंट्रोल करने और हृदय संबंधित खतरों को घटाने में मददगार हो सकती है।

बताया जा रहा है कि सप्ताह में एक बार इस्तेमाल किए जाने वाला यह इंजेक्शन देश भर के फार्मेसियों में जल्द ही उपलब्ध होगा। दवा कंपनी की मानें, तो वेगोवी 0.25 मिलीग्राम, 1 मिलीग्राम, 1.7 मिलीग्राम और 2.4 मिलीग्राम खुराक में उपलब्ध होगी। पहली तीन की कीमत 4,336 रुपए होगी, इसकी मासिक लागत 17,345 रुपए तक हो सकती है।

कैसे काम करती है ये दवा

वेगोवी दवा ग्लूकागन जैसे जीएलपी–1 या पेप्टाइड 1 नामक हार्मोन की तरह काम करती है। इन हार्मोन्स को भूख को कंट्रोल करने में अहम माना जाता है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक यह मस्तिष्क में मौजूद जीएलपी–1 रिसेप्टर्स से बाइंड होकर पेट भरा हुआ महसूस कराने और भूख को कम करने में मदद करती है। इसके साथ ही यह ब्लड शुगर के लेवल को भी कंट्रोल करने में सहायक होता है।

क्या होगा असर

कंपनी के मुताबिक वेगोवी दवा इंजेक्शन के तौर पर कैलोरी इंटेक को कम करने में सहायक हो सकती है। इससे वेट लॉस करना आसान हो जाता है। इस दवा के प्रभावों को समझने के लिए कुछ परीक्षण किए गए हैं। इन परीक्षणों के अनुसार, आहार और व्यायाम पर ध्यान देने के साथ इंजेक्शन की सहायता से डेढ़ साल के भीतर शरीर के वेट में 20ः तक की कमी लाने में सहायक हो सकती है। साथ ही स्ट्रोक, वजन कम होने से दिल के दौरे और हृदय रोग से संबंधित मृत्यु के खतरों भी 20 फीसदी तक कम करने में सहायता मिल सकती है।

साइड इफेक्ट्स

हालांकि दवा की प्राथमिकता को लेकर विशेषज्ञों की टीम काफी ज्यादा आशावादी है, लेकिन इसके कुछ साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो कुछ लोगों को डकार आने, पेट फूलने और पेट दर्द, दस्त और पाचन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके कुछ गंभीर दुष्प्रभाव हो सकते हैं, जिसमें हृदय गति में वृद्धि, पैंक्रियाटाइटिस, शुगर लो होना और किडनी संबंधित समस्याएं हो सकती हैं।

यही वजह है कि स्वास्थ्य एक्सपर्ट ने कहा है कि इन दवाओं के इस्तेमाल से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए। खुद से इस दवा का इस्तेमाल करना आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है।

हरतालिका तीज की तैयारी कर रही हैं? 16 श्रृंगार करना न भूलें, जानिए कौन-कौन सी चीजें होती हैं जरूरी

इस साल हरतालिका तीज का पर्व 26 अगस्त 2025 को मनाया जाएगा। यह पर्व खासतौर पर विवाहित महिलाओं के लिए बहुत पवित्र और खास होता है। इस दिन महिलाएं माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा करती हैं और अपने पति की लंबी उम्र तथा सुख–समृद्धि की कामना करती हैं। इस पूजा में एक बहुत जरूरी परंपरा होती है सोलह श्रृंगार (16 श्रृंगार)। कई महिलाएं खासकर जो पहली बार यह पूजा कर रही हैं, वह अक्सर सोचती हैं कि ये 16 श्रृंगार कौन–कौन से होते हैं और क्यों किए जाते हैं? तो चलिए, आसान भाषा में समझते हैं कि 16 श्रृंगार क्या होता है, इसमें कौन–कौन सी चीजें शामिल होती हैं और इनका क्या महत्व है।

क्या है सोलह श्रृंगार?

सोलह श्रृंगार का मतलब है महिलाओं द्वारा की जाने वाली 16 तरह की सजावट, जो न सिर्फ उनकी सुंदरता बढ़ाती हैं, बल्कि इनके पीछे धार्मिक और वैज्ञानिक कारण भी होते हैं। ये श्रृंगार महिला के सौंदर्य, स्वास्थ्य और मानसिक शांति से जुड़े होते हैं।

सोलह श्रृंगार की पूरी लिस्ट और उनका महत्व

बिंदी

बिंदी को स्त्री के सौंदर्य का मुख्य अंग माना जाता है। इसे माथे के मध्य भाग, जिसे 'आज्ञा चक्र' कहा जाता है, पर लगाया जाता है। यह चक्र ध्यान और मानसिक शांति का केंद्र होता है। बिंदी लगाने से न केवल चेहरे की सुंदरता निखरती है बल्कि यह मन और मस्तिष्क को स्थिर रखने में भी सहायक होती है। यह एकाग्रता को बढ़ाती है और महिलाओं को आत्मिक शक्ति प्रदान करती है।

सिंदूर

सिंदूर विवाहित स्त्रियों के लिए शुभता और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। इसे मांग में भरा जाता है और यह पति की लंबी उम्र और वैवाहिक जीवन की समृद्धि का संकेत है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, देवी पार्वती ने भगवान शिव को पाने के लिए व्रत रखा और शादी के बाद उन्होंने हमेशा सिंदूर धारण किया। इस परंपरा को हर विवाहित स्त्री निभाती है।

काजल

काजल न केवल आंखों की सुंदरता को बढ़ाता है बल्कि यह आंखों की सुरक्षा भी करता है। पारंपरिक रूप से घर में देसी घी या बादाम से बना काजल आंखों की रोशनी को तेज करता है और बुरी नजर से भी बचाता है। यह ठंडक देता है और आंखों को तनाव से राहत पहुंचाता है।

मेहंदी

मेहंदी स्त्रियों के श्रृंगार का अभिन्न हिस्सा है। यह हाथों और पैरों में लगाई जाती है और अपने सुगंध व ठंडक के लिए जानी जाती है। मेहंदी लगाने से शरीर में ठंडक बनी रहती है, तनाव कम होता है और यह सौभाग्य का प्रतीक भी मानी जाती है। विवाह, तीज और करवा चौथ जैसे त्योहारों में इसकी खास भूमिका होती है।

चूड़ियां

चूड़ियां हाथों की शोभा होती हैं और हर रंग की चूड़ी का अपना महत्व होता है। चूड़ियों की खनक न केवल सजावट है बल्कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी होता है। ऐसा माना जाता है कि इनके मधुर स्वर से घर में शुभता बनी रहती

है और मन प्रसन्न रहता है।

कुमकुम

कुमकुम एक धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीक है, जिसे माथे पर लगाया जाता है। यह आध्यात्मिक ऊर्जा को जागृत करता है और ताजगी का अनुभव कराता है। यह स्त्रियों को शक्ति और स्थिरता प्रदान करता है और पूजा–पाठ में भी इसका विशेष महत्व होता है।

गजरा (फूलों की माला)

गजरा खासतौर पर चमेली या मोगरे के फूलों से बनाया जाता है और बालों में सजाया जाता है। इसकी सुगंध वातावरण को खुशनुमा बनाती है और स्त्रियों के सौंदर्य को चार चांद लगाती है। यह देवी लक्ष्मी और माँ पार्वती के आशीर्वाद का प्रतीक भी माना जाता है।

मांग टीका

मांग टीका माथे के मध्य भाग में पहना जाता है। यह न केवल रूप को संपूर्ण बनाता है बल्कि यह ब्रह्मरंध्र चक्र को ऊर्जा प्रदान करता है। इससे मन में स्थिरता आती है और यह वैवाहिक जीवन में संतुलन लाने में सहायक होता है।

नाक की नथ

नाक की नथ का संबंध सुंदरता से तो है ही, लेकिन इसके पीछे आयुर्वेदिक महत्व भी है। ऐसा माना जाता है कि नथ पहनने से महिलाओं के प्रजनन अंगों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और यह मासिक चक्र को भी नियमित रखने में मददगार हो सकती है।

झुमके (कान की बालियां)

झुमके केवल सजावट के लिए नहीं होते, बल्कि कान के एक्यूप्रेशर पॉइंट्स पर असर डालते हैं। इससे शरीर के विभिन्न अंगों में ऊर्जा का प्रवाह बेहतर होता है और स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। झुमके पहनने से चेहरे की आभा भी बढ़ती है।

मंगलसूत्र

मंगलसूत्र एक पवित्र धागा होता है जो पति के जीवन की रक्षा और वैवाहिक जीवन की मजबूती का प्रतीक होता है। इसे सोने और काले मोतियों से बनाया जाता है, जो नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखता है। यह सुहागिन स्त्री की पहचान भी होता है।

गले का हार

गले का हार न केवल गले की शोभा बढ़ाता है बल्कि यह हृदय चक्र को भी ऊर्जा देता है। यह हार प्रेम और सामंजस्य का प्रतीक माना जाता है। यह पति–पत्नी के रिश्ते को और भी मधुर बनाता है।

बाजूबंद

बाजूबंद हाथों में बांधा जाता है और यह सिर्फ सौंदर्य का ही प्रतीक नहीं, बल्कि यह रक्त संचार में भी मदद करता है। पारंपरिक पोशाकों के साथ बाजूबंद पहनने से शृंगार और भी प्रभावशाली लगता है। यह साहस और आत्मविश्वास का भी प्रतीक होता है।

पायल

पायल को पैरों की सुंदरता का प्रतीक माना जाता है। यह पहनने से उसके झंकार की आवाज से घर में सकारात्मकता आती है। साथ ही यह पैरों के एक्यूप्रेशर पॉइंट्स को सक्रिय करती है, जिससे सेहत पर अच्छा प्रभाव पड़ता है।

बिछिया

बिछिया विवाहित स्त्रियों की पहचान होती है। इसे पैरों की उंगलियों में पहना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार, इससे नर्वस सिस्टम और मासिक धर्म से जुड़ी परेशानियों में राहत मिलती है। यह विवाहित स्त्री के सामाजिक और धार्मिक दायित्व को भी दर्शाती है।

आल्ता और इत्र

आल्ता पैरों में लगाया जाता है, जिससे वे अधिक सुंदर और शुभ प्रतीत होते हैं। यह सुहाग की निशानी भी मानी जाती है। वहीं, इत्र तन–मन को ताजगी से भर देता है। इसकी सुगंध मन को शांत रखती है और पूजा–पाठ के समय वातावरण को पवित्र बनाती है।

सोलह श्रृंगार का महत्व

यह श्रृंगार सिर्फ सजावट नहीं है, बल्कि हर एक चीज का अपना वैज्ञानिक और धार्मिक महत्व होता है। ये श्रृंगार महिलाओं को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाने में मदद करते हैं। हरतालिका तीज के दिन सोलह श्रृंगार करने से माता पार्वती प्रसन्न होती हैं और अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद देती हैं।

मौत से 24 घंटे पहले शरीर में दिखते हैं ये 3 खास लक्षण

जब किसी व्यक्ति की मृत्यु नजदीक होती है, तो उसका शरीर हमें कई संकेत देता है। ये संकेत हमें समझने में मदद करते हैं कि वह अपने अंतिम समय के करीब है। अगर आप या आपके आसपास कोई ऐसा व्यक्ति है, तो इन लक्षणों को पहचानना बेहद जरूरी है ताकि सही समय पर डॉक्टर की मदद ली जा सके और व्यक्ति को सम्मानपूर्वक आखिरी वक्त गुजारने में सहायता मिल सके।

सांस लेने का तरीका बदल जाता है

मौत के करीब सांस लेने का पैटर्न पूरी तरह से बदल जाता है। कभी व्यक्ति बहुत तेज और गहरी सांसें लेता है, तो कभी लंबे समय तक सांस रुक जाती है। इस बदलाव को बेमलदम–ैजवामे ठतमंजीपदह कहा जाता है। यह असामान्य सांस लेने का तरीका संकेत है कि शरीर धीरे–ध ीरे अपनी क्रियाशीलता खो रहा है। इसे देखकर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

शरीर के तापमान और रंग में बदलाव

जैसे–जैसे दिल की धड़कन धीमी होती है, शरीर के अंगों तक खून पहुंचना कम हो जाता है। इससे हाथ–पैर ठंडे पड़ने लगते हैं और त्वचा पर नीला या बैंगनी रंग नजर आने लगता है, खासकर पैरों, हाथों और नाखूनों पर। यह शरीर की ऊर्जा बचाने की प्राकृतिक प्रक्रिया है। ऐसे समय पर व्यक्ति को गर्म रखने और आराम देने की जरूरत होती है।

बाहरी दुनिया से कटाव और कम प्रतिक्रिया

मृत्यु के करीब व्यक्ति धीरे–धीरे बाहरी दुनिया से कटने लगता है। उसकी आंखें अधिकतर बंद रहती हैं, वह बात करना बंद कर देता है और आसपास की चीजों पर उसकी प्रतिक्रिया कम हो जाती है। हालांकि, अध्ययन बताते हैं कि सुनने की क्षमता आखिरी समय तक बनी रहती है। इसलिए परिवार वाले और प्रियजनों को शांत और प्यार भरे शब्दों में बात करनी चाहिए, ताकि व्यक्ति को मानसिक शांति मिल सके।

और कुछ महत्वपूर्ण बातें

कई बार व्यक्ति आखिरी समय में अपनी आंखें बंद रखता है या ऐसा लगता है जैसे वह कहीं और देख रहा हो। यह

शरीर का स्वाभाविक बदलाव होता है, इसे लेकर घबराना नहीं चाहिए। यह सब बदलाव डराने वाले नहीं, बल्कि जीवन की सामान्य और प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं। इन्हें समझकर परिवार और रिश्तेदार आखिरी वक्त को शांति और सम्मान के साथ गुजार सकते हैं। अगर ऊपर बताए गए लक्षण दिखें, तो डॉक्टर से तुरंत सलाह लें ताकि समय रहते उचित देखभाल की जा सके। मौत से पहले शरीर में जो बदलाव आते हैं, उन्हें समझना और सही प्रतिक्रिया देना बहुत जरूरी होता है। इससे व्यक्ति को अंतिम समय में आराम मिलता है और परिवार के सदस्यों को भी मानसिक संतोष होता है। प्यार, धैर्य और सहानुभूति के साथ इन पलों को बिताना ही सबसे बड़ा सहारा होता है।

संक्षिप्त

प्रोबो ने यूजर्स से खातों में पड़ी शेष राशि निकालने की अपील की, आरएमजी सेवाओं के बंद होने के बाद फैसला

नई दिल्ली। ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े नियमों में हालिया बदलाव के बाद प्रोबो ने अपनी रियल–मनी गेमिंग (आरएमजी) सेवाएं बंद करने की घोषणा की है। कंपनी ने अब अपने यूजर्स से अपील की है कि वे अपने खातों में बची हुई राशि तुरंत निकाल लें और यदि आवश्यक हो तो केवाईसी प्रक्रिया पूरी करें। प्रोबो ने कहा है कि सभी उपयोगकर्ता बिना किसी बाधा के अपनी धनराशि निकाल सकेंगे। हालांकि, निकासी की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए केवाईसी अनिवार्य है। जिन उपयोगकर्ताओं ने अभी तक यह प्रक्रिया नहीं की है, उन्हें एप के माध्यम से जल्द से जल्द यह कदम उठाने की सलाह दी गई है। कंपनी के प्रवक्ता ने बताया, उपयोगकर्ताओं का पैसा पूरी तरह सुरक्षित है और हर निकासी अनुरोध को स्वीकार किया जाएगा। हम सभी से आग्रह करते हैं कि वे अपना केवाईसी समय पर पूरा करें ताकि शेष राशि निकालने में कोई दिक्कत न आए। हमारी सहायता टीमें चौबीसों घंटे मदद के लिए उपलब्ध हैं। प्रोबो ने कहा है कि यह कदम पारदर्शिता, नियामक अनुपालन और उपयोगकर्ता हितों की सुरक्षा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शेष राशि निकालने और केवाईसी प्रक्रिया से जुड़े विस्तृत निर्देश कंपनी के एप के सहायता अनुभाग में उपलब्ध हैं।

जर्मन दूतावास ने टैरिफ बाधाओं को बताया बड़ी चुनौती, बोले- भारत-ईयू एफटीए साल के अंत तक होने की उम्मीद

नई दिल्ली। टैरिफ मुक्त व्यापार में एक बड़ी बाधा है। उच्च अमेरिकी टैरिफ पर प्रतिक्रिया देते हुए भारत में जर्मन दूतावास के उप राजदूत जॉर्ज एंजवेइलर ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि जर्मनी हमेशा टैरिफ को न्यूनतम स्तर तक कम करने के पक्ष में रहेगा।

भारत और जर्मनी के हित एक–दूसरे से जुड़े हुए हैं

भारत और जर्मनी के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक अस्थिरता के बीच दोनों देशों के हित एक–दूसरे से जुड़े हुए हैं। हम मिलकर यह अस्थिर अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को स्थिर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

साल के अंत भारत–ईयू एफटीए पूरा होने की संभावना

भारत और यूरोपीय संघ के बीच हो रहे मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर एंजवेइलर ने कहा कि हमें जो संकेत मिल रहे हैं वे बहुत सकारात्मक हैं। हमें उम्मीद है कि साल के अंत तक वार्ता को एक सार्थक परिणाम पर पहुंचते देखेंगे।

मई की बैठक में किन–किन बातों पर दिया गया जोर

मई में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा के लिए यूरोपीय आयुक्त मारोस सेफकोविक ने वैश्विक व्यापार चुनौतियों का सामाधान करने के लिए एक अग्रगामी और ठोस वार्ता में भाग लिया। इसमें भारत 2025 के अंत तक भारत–ईयू एफटीए को संपन्न करने के अपने साझा संकल्प की पुष्टि भी की गई ।

भारत और साझेदार देश के बीच उच्चस्तरीय वार्ता ने इस बात को रेखांकित किया कि दोनों पक्ष एक वाणिज्यिक रूप से सार्थक, परस्पर लाभकारी, संतुलित और न्यायपूर्ण व्यापार साझेदारी को महत्व देते हैं, जो आर्थिक लचीलापन और समावेशी विकास को बढ़ावा दे।

बैठक में विभिन्न वार्ताकार स्तरों पर हुई प्रगति पर चर्चा हुई और मासिक वार्ता दौर व सतत वर्चुअल संवाद के जरिए गति बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया गया। दोनों पक्षों ने लंबित मुद्दों को आपसी सम्मान और व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ सुलझाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

भारत ने जोर दिया कि सार्थक प्रगति के लिए केवल टैरिफ चर्चाओं पर नहीं, बल्कि गैर–टैरिफ बाधाओं (एनटीबी) पर भी समान रूप से ध्यान देना जरूरी है। साथ ही नियामक ढांचे को समावेशी, डिजिटल परिवर्तन का समर्थन करके, संतुलित और व्यापार को सीमित करने से बचाने वाला होना चाहिए।

आरबीआई का सितंबर 2025 के लिए महंगाई सर्वे शुरू, कीमतों पर देश के 19 शहरों से ली जाएगी उपभोक्ताओं की राय

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने सितंबर 2025 के लिए मुद्रास्फीति अपेक्षा सर्वेक्षण (आईईएसएच) की शुरुआत कर दी है। इस सर्वेक्षण के तहत देश के 19 शहरों के घरों से राय ली जाएगी ताकि वे कीमतों और महंगाई की स्थिति को लेकर अपने विचार साझा कर सकें।

सर्वेक्षण का उद्देश्य

आरबीआई यह सर्वेक्षण हर तिमाही आयोजित करता है। इसका उद्देश्य मुद्रास्फीति और उत्पादों की सामान्य मूल्य गतिविधियों पर उपभोक्ता के विचारों का आकलन करना है। इसे विभिन्न उत्पादों की कीमतों में हो रहे उतार–चढ़ाव के बारे में परिवारों की धारणाओं को समझने के लिए तैयार किया गया है। सर्वे के तहत परिवारों से सामान्य कीमतों और विशेष उत्पाद समूहों की कीमतों में बदलाव को लेकर गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों तरह की प्रतिक्रियाएं ली जाएंगी। इसमें प्रतिभागियों से अगले तीन महीने और एक साल की अवधि के लिए कीमतों के बारे में राय मांगी जाएगी, साथ ही मौजूदा, तीन महीने आगे और एक साल आगे की महंगाई दर का अनुमान भी पूछा जाएगा। आरबीआई के मुताबिक, इस सर्वेक्षण के निष्कर्ष मौद्रिक नीति के लिए महत्वपूर्ण इनपुट प्रदान करते हैं, जिससे नीतिगत फैसलों को जमीनी हकीकत के अनुरूप बनाया जा सके। यह सर्वेक्षण 19 शहरों में किया जा रहा है, जिनमें अहमदाबाद, बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, पटना, रायपुर, रांची और तिरुवनंतपुरम शामिल हैं। इन शहरों का चयन देश के विभिन्न क्षेत्रों के विविध उपभोग पैटर्न को दर्शाने के लिए किया गया है।

`काश नतीजा बदल पाता', ऐसी दो हार जो द्रविड़ को आज भी खटकती है, बोले- मौका मिले तो परिणाम बदल दूं

एक खिलाड़ी और बाद में कोच रहे द्रविड़ की यह प्रतिक्रिया बताती है कि वह केवल जीत की कहानियां नहीं याद रखना चाहते, बल्कि वे उन्हीं जोखिम भरे पक्षों को भी याद रखते हैं जहां रणनीतिक बदलाव से परिणाम बदल सकता था। यह उनकी प्रतिबद्धता और आत्म–विश्लेषण की गहराई को उजागर करता है।

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय बैटर और कोच राहुल द्रविड़ ने हाल ही में एक बातचीत में ऐसे दो अंतरराष्ट्रीय मैचों का जिक्र किया जिन्हें वे फिर से खेलना और परिणाम बदलना चाहते हैं। यह बातें उन्होंने रविचंद्रन अश्विन के साथ उनके यूट्यूब चौनल पर बातचीत के दौरान कहीं। अश्विन के एक साधारण से सवाल ने द्रविड़ को उन पलों की याद दिला दी, जिसके परिणाम उनकी नजर में अगर बदल जाते तो भारतीय क्रिकेट की कहानी कुछ और होती।

बरबाडोस टेस्ट, 1997

द्रविड़ ने पहले नंबर पर 1997 में वेस्टइंडीज के खिलाफ बरबाडोस में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच को चुना। उस मैच में भारत को कठिन विकेट पर मात्र 120 रनों का लक्ष्य मिला था, लेकिन टीम 80 रन पर ऑल–आउट हो गई। द्रविड़ ने बताया कि शपिच मुश्किल थी, लेकिन आखिरी विकेटों ने 50–60 रन जोड़ दिए होते, तो हम मैच जीत सकते थे और संभवतः सीरीज भी 1–0 की जगह जीतकर समाप्त कर सकते थे।श द्रविड़ ने कहा कि उस पूरी सीरीज के दौरान काफी बारिश का सामना करना पड़ा था और सिर्फ एक मैच ने सीरीज का फैसला किया था। भारत की दीवार ने कहा कि अगर उन्हें मौका मिले तो वह उस सीरीज के नतीजे को बदलना चाहेंगे।

2003 वर्ल्ड कप फाइनल

द्रविड़ की दूसरी पसंद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2003 के वनडे वर्ल्ड कप फाइनल की है। उस दिन की रणनीति, कंडीशन और विपक्षी टीम की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी भारत के खिलाफ गई। द्रविड़ ने कहा

कि श्हमने टॉस में सही फैसला लिया था क्योंकि ओवरकास्ट कंडीशन था, लेकिन विपक्षी टीम का प्रदर्शन शानदार रहा।श द्रविड़ ने कहा कि वह उस मैच को उस पल को फिर से जीना चाहेंगे और मैच के परिणाम को बदलना चाहेंगे। भारत 2003 विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से 125 रनों के बड़े अंतर से हार गया था। यह राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली जैसे दिग्गजों की विश्व कप खिताब के सबसे करीब पहुंचने वाली टीम थी।

बतौर कोच द्रविड़ को मिली मदद

एक खिलाड़ी और बाद में कोच रहे द्रविड़ की यह प्रतिक्रिया बताती है कि वह केवल जीत की कहानियां नहीं याद रखना चाहते, बल्कि वे उन्हीं जोखिम भरे पक्षों को भी याद रखते हैं जहां रणनीतिक बदलाव से परिणाम बदल सकता था। यह उनकी प्रतिबद्धता और आत्म–विश्लेषण की गहराई को उजागर करता है। इसने बतौर कोच द्रविड़ की काफी मदद की। उन्होंने सिर्फ व्यक्तिगत प्रदर्शन नहीं, बल्कि पूरी टीम की दिशा और रणनीतियों पर नजर रखी। यह विचारशीलता ही उन्हें एक महान खिलाड़ी और शानदार कोच बनाती है। द्रविड़ की देखरेख में भारत ने 2024 में टी20 विश्व कप जीतकर आईसीसी ट्रॉफी के 11 साल के सूखे को खत्म किया था।

`विराट कोहली की टेस्ट सफलताओं में चेतेश्वर पुजारा का बड़ा योगदान', अश्विन का बड़ा बयान

चेन्नई। भारत के दिग्गज ऑफ–स्पिनर आर अश्विन ने हाल ही में एक अहम खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि विराट कोहली के टेस्ट करियर की सफलताओं में चेतेश्वर पुजारा का महत्वपूर्ण हाथ रहा है। अश्विन के मुताबिक, हर क्रिकेटर को सुर्खियां नहीं मिलतीं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उनका योगदान कम है।

पुजारा की भूमिका अहम

अश्विन ने कहा कि नंबर तीन पर पुजारा की मौजूदगी ने कई बार कोहली को खुलकर खेलने का मौका दिया। उन्होंने माना कि पुजारा का धैर्य और उनकी बल्लेबाजी शैली ने भारतीय पारी को स्थिरता दी, जिससे बाद में आने वाले बल्लेबाजों को रन बनाने का सही माहौल मिला। अश्विन ने यह भी जोड़ा कि चाहे लोग मानें या न मानें, लेकिन पुजारा की यह भूमिका विराट कोहली के बड़े स्कोर बनाने में बेहद अहम रही है।

सुर्खियों से दूर लेकिन जरूरी

अश्विन ने जोर देकर कहा कि क्रिकेट में हमेशा रन बनाने वाले खिलाड़ी ही सुर्खियों में रहते हैं। लेकिन जो खिलाड़ी मंच तैयार करते हैं, उनका योगदान अक्सर नजरअंदाज हो जाता है। पुजारा उन्हीं में से एक हैं। उनकी सख्त डिफेंस और लंबे समय तक क्रीज पर टिके रहने की क्षमता ने कई बार भारत को मुश्किल हालात से निकाला और कोहली जैसे बल्लेबाजों को चमकने का मौका दिया।

कोहली की उपलब्धियों पर असर

विराट कोहली ने अपने टेस्ट करियर में कई शानदार पारियां खेलीं हैं और दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों में जगह बनाई है। लेकिन अश्विन का मानना है कि इन सफलताओं में एक बड़ा हिस्सा पुजारा के योगदान का भी है। उनकी स्थिरता ने कोहली को वह आत्मविश्वास दिया, जिससे वे अपने नैचुरल अंदाज में रन बना सके।

भारतीय टेस्ट टीम का स्तंभ चेतेश्वर पुजारा लंबे समय तक भारतीय टेस्ट टीम के भरोसेमंद खिलाड़ी रहे हैं। हालांकि उन्हें सफेद गेंद के क्रिकेट में जगह नहीं मिली, लेकिन टेस्ट में उनका प्रदर्शन हमेशा काबिल–ए–तारीफ रहा। अश्विन के इस बयान ने पुजारा के महत्व को एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया है। पुजारा ने हाल ही में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास का एलान किया।

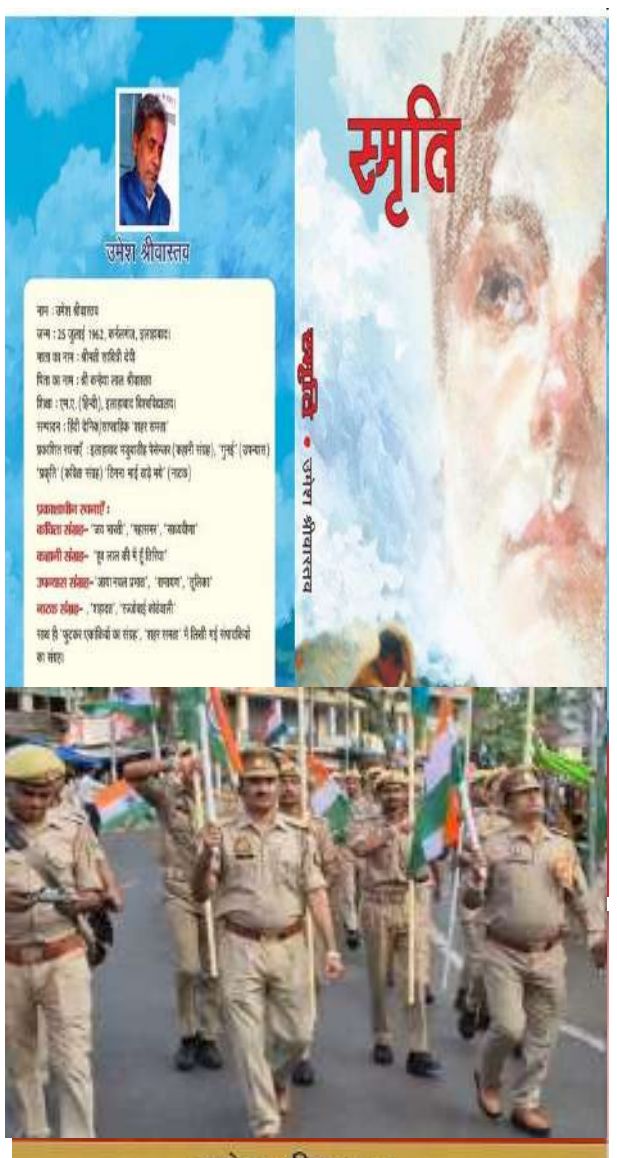

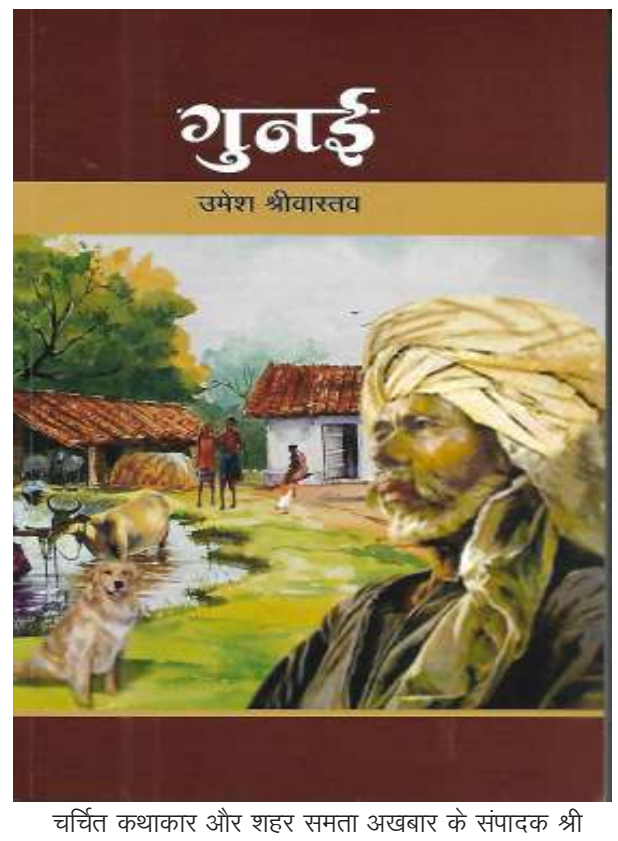

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

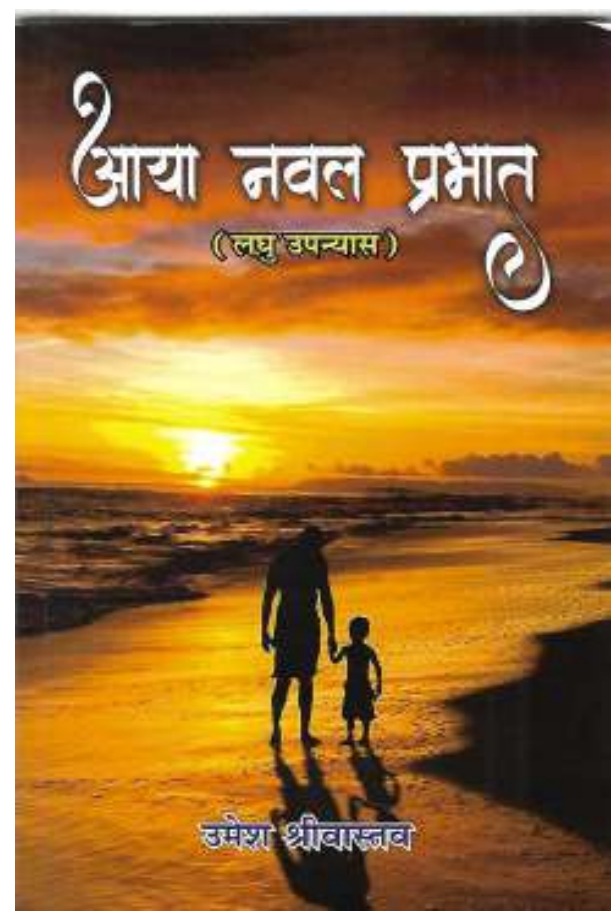

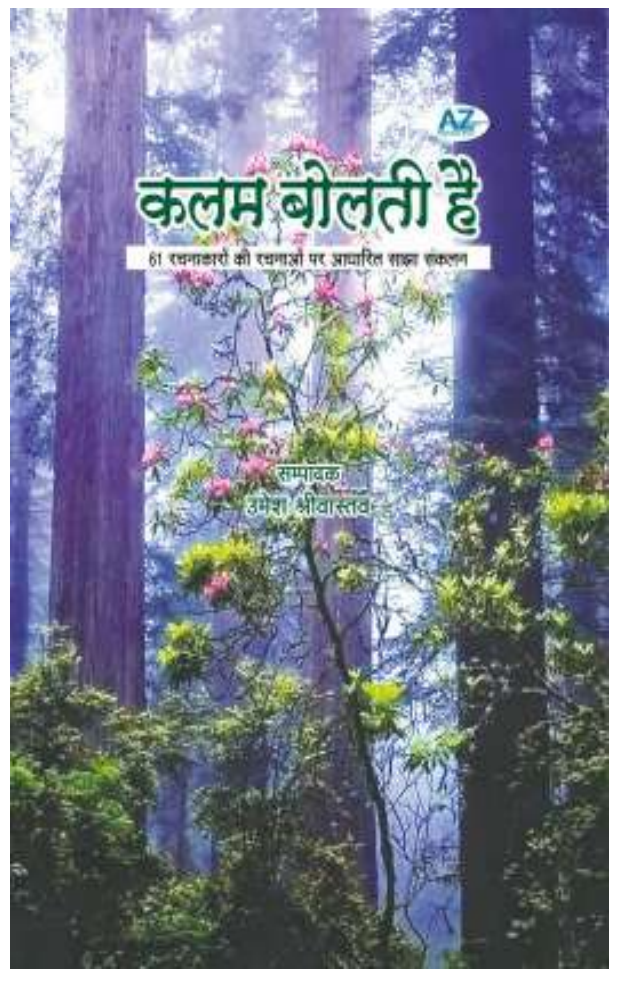

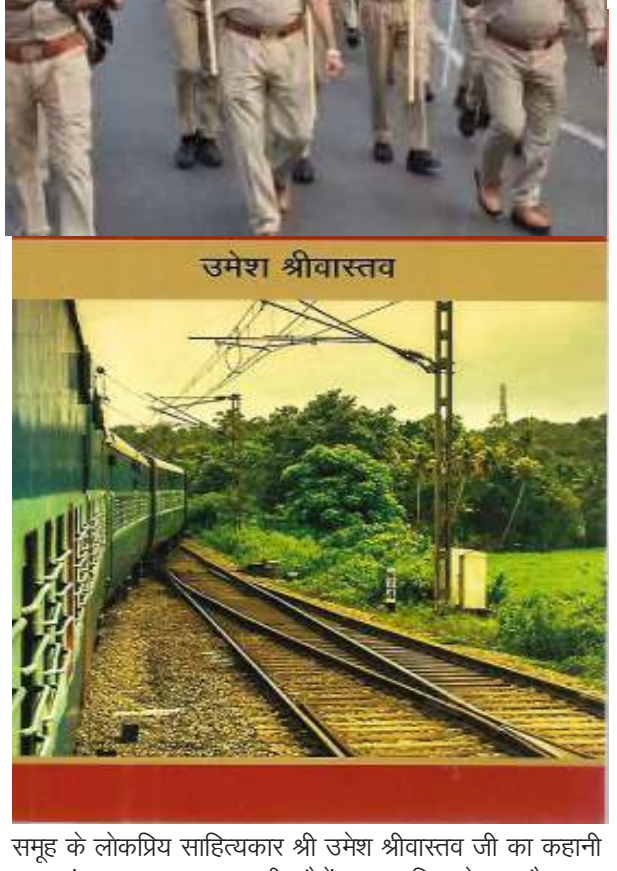

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

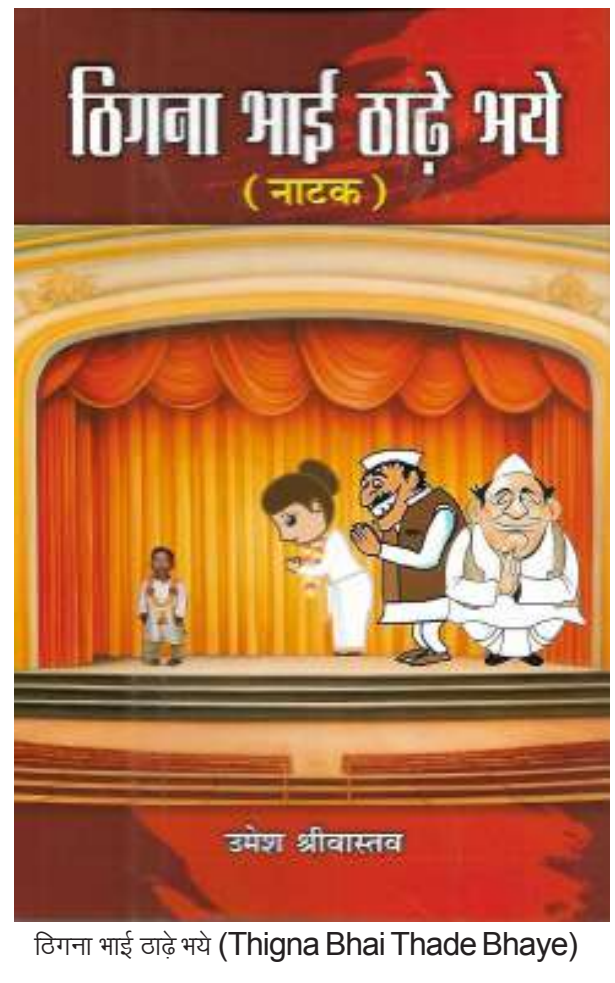

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को भरोसा, रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने में भारत देगा योगदान

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने देश के स्वतंत्रता दिवस पर बधाई देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मंगलवार को आभार व्यक्त किया और कहा कि कीव को रूस के साथ युद्ध समाप्त कराने संबंधी ''भारत के योगदान'' पर भरोसा है। जेलेंस्की ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यूक्रेन ''शांति और संवाद'' के प्रति भारत के समर्पण की सराहना करता है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, ''अब, जब पूरी दुनिया इस भयानक युद्ध को गरिमामय तरीके से और स्थायी शांति के साथ समाप्त कराने का प्रयास कर रही है, हमें भारत के योगदान पर भरोसा है।'' उन्होंने कहा, ''कूटनीति को मजबूत करने वाला प्रत्येक निर्णय न केवल यूरोप में, बल्कि हिंद–प्रशांत और उससे परे भी बेहतर सुरक्षा की ओर ले जाता है।'' प्रधानमंत्री मोदी ने 16 अगस्त को यूक्रेन के लोगों के लिए शांति और प्रगति से भरे भविष्य की कामना की तथा स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाओं के लिए ज़ेलेंस्की को धन्यवाद दिया था। इससे पहले जेलेंस्की ने 15 अगस्त को भारत को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी थीं और कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को समाप्त कराने के प्रयासों में भारत योगदान देगा। अपने संदेश के साथ, ज़ेलेंस्की ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा उन्हें संबोधित पत्र भी साझा किया। पत्र में, प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन के लोगों को शुभकामनाएँ दीं और पिछले साल कीव की अपनी यात्रा को याद किया। उन्होंने लिखा ष्मैं इस अवसर पर आपको और यूक्रेन के लोगों को आपके स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुभकामनाएँ देता हूँ। मैं पिछले साल अगस्त में कीव की अपनी यात्रा को हार्दिक रूप से याद करता हूँ और तब से भारत–यूक्रेन द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति पर ध्यान देता हूँ। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, ष्मैं आपके साथ मिलकर हमारे पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग को और मज़बूत करने के लिए तत्पर हूँ। भारत के इस दृढ़ रुख़ को दोहराते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा, ष्भारत हमेशा शांति के पक्ष में रहा है। भारत बातचीत और कूटनीति के ज़रिए संघर्ष के शीघ्र, स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान के लिए किए जा रहे ईमानदार प्रयासों को हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने ज़ेलेंस्की के स्वास्थ्य और कुशलता के लिए अपनी शुभकामनाएं भी व्यक्त कीं। शुभकामनाओं का आदान–प्रदान नई दिल्ली के कीव के साथ बढ़ते राजनयिक जुड़ाव के बीच हुआ है। यूक्रेनी राजदूत ओलेक्सांद्र पोलिशचुक ने हाल ही में पुष्टि की कि पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की को भारत आने का निमंत्रण दिया है, दोनों पक्ष तारीखों को अंतिम रूप देने पर काम कर रहे हैं। दूत ने भारत के रुख की प्रशंसा करते हुए कहा कि नई दिल्ली ष्तटस्थ नहींष है, लेकिन शांति और संवाद का दृढ़ता से समर्थन करती है। यह आउटरीच भारत के स्वतंत्रता दिवस पर पहले के आदान–प्रदान के बाद हुआ है, जब ज़ेलेंस्की ने आशा व्यक्त की थी कि भारत वैश्विक शांति प्रयासों में योगदान देगा और व्यापार, प्रौद्योगिकी और संस्कृति में द्विपक्षीय सहयोग के अवसरों पर प्रकाश डाला। दोनों नेताओं ने अपने संदेशों के माध्यम से युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान के महत्व की पुष्टि करते हुए संवाद, कूटनीति और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया।

संक्षिप्त

13 साल बाद पाक विदेश मंत्री ढाका पहुंचे, यूनुस ने सार्क को पुनर्जीवित करने पर जोर दिया

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) को पुनर्जीवित करने के अपने प्रयासों को फिर से शुरू किया है, जो 2016 में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित उरी आतंकी हमलों के बाद से अधर में लटका हुआ है, जिसमें 17 भारतीय सैनिक मारे गए थे। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार के साथ अपनी बैठक के दौरान, यूनुस ने एक बार फिर इस्लामाबाद के साथ न केवल द्विपक्षीय संबंधों, बल्कि क्षेत्रीय सहयोग को भी मज़बूत करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। मज़बूत क्षेत्रीय जुड़ाव के उनके प्रयासों के केंद्र में सार्क को फिर से सक्रिय करने का यूनुस का नया प्रयास है। डार की उपस्थिति में यूनुस ने कहा मैं सार्क (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) को प्रोत्साहित करता

हूं और पाकिस्तान तथा अन्य सार्क देशों के साथ हमारे संबंधों को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक मानता हूं। डार 13 वर्षों में बांग्लादेश की यात्रा करने वाले पहले पाकिस्तानी विदेश मंत्री हैं। यूनुस ने सार्क के पुनरुद्धार के लिए पिछले साल न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ से मुलाकात की थी। यह मुलाकात उनके पदभार ग्रहण करने के कुछ ही दिनों बाद हुई थी। उनकी चर्चाओं में सार्क के पुनरुद्धार का मुद्दा प्रमुखता से छाया रहा। अफ़ग़ानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका सहित इस संगठन ने 2014 में काठमांडू में हुए सम्मेलन के बाद से कोई शिखर सम्मेलन आयोजित नहीं किया है। इशाक डार के साथ अपनी हालिया बैठक के दौरान, यूनुस ने क्षेत्र के भीतर सहयोग के अवसरों को पूरी तरह से तलाशने के महत्व पर ज़ोर दिया। सार्क की निष्क्रियता क्षेत्रीय तनावों, खासकर 2016 के उरी हमले के बाद, बढ़े तनावों के कारण है, जिसके कारण भारत और बांग्लादेश सहित अन्य देशों ने उस वर्ष इस्लामाबाद में होने वाले शिखर सम्मेलन का बहिष्कार किया था।

लीबिया के कोस्ट गार्ड ने बचाव दल पर की गोलीबारी

लीबिया के कोस्ट गार्ड ने एक मानवतावादी संगठन के बचाव जहाज पर उस समय गोलीबारी कर दी जब वह समुद्र में एक संकटग्रस्त प्रवासी नौका की तलाश कर रहा था। यह घटना रविवार को हुई और इसे अब तक की सबसे हिंसक घटनाओं में से एक माना जा रहा है जिसमें यूरोपीय बचाव जहाज और लीबियाई कोस्ट गार्ड आमने–सामने आए हों। मामले में मानवता की सेवा में लगा संगठन एसओएस मेडिटेरेनी ने बताया कि यह घटना लीबिया के तट से करीब 40 नॉटिकल मील उत्तर में हुई। इस दौरान उनके जहाज ब्वमंद टपापदह को गंभीर क्षति पहुंची, हालांकि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। यह जहाज नॉर्वे के झंडे के तहत चलता है और इसे रेड क्रॉस और रेड क्रीसेंट की अंतरराष्ट्रीय संस्था के सहयोग से चार्टर्ड किया गया है। घटना के समय ओशन वाइकिंग ने दो प्रवासी नौकाओं से 87 लोगों को बचाया था, जिनमें से कई युद्धग्रस्त सूडान से थे। जब जहाज तीसरी संकटग्रस्त नाव की तलाश कर रहा था, तभी लीबियाई कोस्ट गार्ड का एक गश्ती पोत अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में पहुंचा और 15 से 20 मिनट तक गोलीबारी की।

चीन में काजिकी तूफान से पहले 20 हजार लोग हटाए गए

चीन के सान्या शहर में काजिकी नामक तूफान से मंगलवार सुबह तक 320 मिमी (12.6 इंच) तक बारिश होने की आशंका है। इसे देखते हुए अधिकारियों ने दुकानें और सार्वजनिक परिवहन को बंद कर दिया है। तूफान के चीन के द्वीपीय प्रांत हैनान के दक्षिणी तट से गुजरने के दौरान तेज हवा–बारिश की आशंका है। इसे दखेते हुए 20,728 लोगों को क्षेत्र से हटाया गया है। हैनान में 2,800 से ज्यादा बचावकर्मी तैनात किए गए हैं। सभी 30,769 मछली पकड़ने वाली नौकाएं बंदरगाह पर लौट आई हैं। वहीं, वियतनाम में तूफान के मद्देनजर लाखों लोगों को सुरक्षित हटाया गया है। सोमवार सुबह तूफान की गति 166 किमी प्रति घंटे तक पहुंच गई थी। इसके असर से कई इलाकों में तेज बारिश हो रही है।

पीएम मोदी के दौरे से पूर्व जापानी संसद के अध्यक्ष से मिले राजदूत जॉर्ज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से ठीक पहले जापान में भारत के राजदूत सिबी जॉर्ज ने सोमवार को प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष फुकुशिरो नुकागा से मुलाकात की। इस दौरान जॉर्ज और नुकागा ने भारत–जापान के द्विपक्षीय विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को और मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पर कहा, बातचीत में मानव संसाधन के आदान–प्रदान को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। जॉर्ज ने सुमितोमो मित्सुई ट्रस्ट ग्रुप के अध्यक्ष तोरू ताकाकुरा से मिलकर दोनों देशों के वित्तीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा की। उन्होंने टोक्यो के त्सुकिजी होंगवानजी मंदिर में धार्मिक मामलों के उप–प्रमुख तोमोहीरो किमुरा से भी भेंट की। पीएम मोदी 29 से 30 अगस्त तक जापान दौरा करेंगे। यह उनकी बतौर पीएम जापान की 8वीं यात्रा होगी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

ट्रंप का एक और अल्टीमेटम! `गुल्लक नहीं अमेरिकी टेक कंपनियां', डिजिटल टैक्स पर होगी कार्रवाई।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों पर डिजिटल कर लगाने वाले देशों को अमेरिका को अपने निर्यात पर अतिरिक्त शुल्क का सामना करना पड़ेगा, जब तक कि ये उपाय वापस नहीं लिए जाते। अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर एक लंबी पोस्ट में, ट्रंप ने कहा कि ये नीतियाँ अल्फाबेट की गूगल, मेटा की फेसबुक, एप्पल और अमेज़न जैसी अमेरिकी कंपनियों को अनुचित तरीके से निशाना बनाती हैं, जबकि चीनी तकनीकी दिग्गजों को छूट दी गई है। उन्होंने लिखा, अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में, मैं उन देशों के खिलाफ खड़ा रहूँगा जो हमारी अद्भुत अमेरिकी तकनीकी कंपनियों पर हमला करते हैं। डिजिटल कर, डिजिटल सेवा कानून और डिजिटल बाज़ार नियमन, सभी अमेरिकी प्रौद्योगिकी को नुकसान पहुँचाने या उसके साथ भेदभाव करने के लिए बनाए गए हैं। ये अपमानजनक रूप से चीन की सबसे बड़ी तकनीकी कंपनियों को पूरी छूट भी देते हैं। यह सब खत्म होना चाहिए, और अभी खत्म होना चाहिए! राष्ट्रपति ने आगे कहा कि जब तक ये देश ऐसे कानूनों को वापस नहीं लेते, वह उनके उत्पादों पर काफी अतिरिक्त शुल्क और उन्हें मिलने वाली अमेरिकी तकनीक व चिप्स पर निर्यात प्रतिबंध लगा देंगे। ट्रंप ने कहा, अमेरिका और अमेरिकी तकनीकी कंपनियाँ अब दुनिया के लिए न तो गुल्लक हैं और न ही दहलीज़। अमेरिका और हमारी अद्भुत तकनीकी कंपनियों का सम्मान करें, वरना इसके परिणाम भुगतने होंगे! कई देशों, खासकर यूरोप में, ने बड़े डिजिटल सेवा प्रदाताओं द्वारा अर्जित राजस्व पर कर लगा दिया है। यह मुद्दा वर्षों से व्यापार संबंधों में एक समस्या रहा है, और ट्रंप और बाइडेन दोनों प्रशासनों का तर्क है कि ये शुल्क केवल अमेरिकी कंपनियों पर ही लागू होते हैं। ट्रंप ने पहले डिजिटल सेवा करों को लेकर फ्रांस और कनाडा पर शुल्क लगाने की धमकी दी थी। अमेरिका ने चिप दिग्गज एनवीडिया कॉर्प सहित कई कंपनियों की उन्नत सेमीकंडक्टर जैसी संवेदनशील तकनीकों पर व्यापक निर्यात नियंत्रण भी लागू किया था। यह नई चेतावनी ट्रंप द्वारा आयातित फर्नीचर पर शुल्क लगाने और दर्जनों अन्य उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने की घोषणा के कुछ ही दिनों बाद आई है। यह पिछले हफ़्ते वाशिंगटन और यूरोपीय संघ के बीच एक संयुक्त बयान के बाद आया है जिसमें अनुचित व्यापार बाधाओं को दूर करनेष और इलेक्ट्रॉनिक प्रसारण पर शुल्क लगाने से बचने का संकल्प लिया गया था। उस समय यूरोपीय संघ ने पुष्टि की थी कि वह नेटवर्क उपयोग शुल्क नहीं लगाएगा। राष्ट्रपति ओबामा की इस नई व्यापारिक धमकी से वैश्विक बाज़ारों में फिर से अनिश्चितता फैल गई है और अमेरिका के प्रमुख सहयोगियों के साथ तनाव बढ़ सकता है। इस बीच, वॉल स्ट्रीट जर्नल ने सूत्रों के हवाले से बताया कि बीजिंग के प्रमुख वार्ताकार ही लिफेंग के शीर्ष सहयोगी ली चेंगगांग इस सप्ताह के अंत में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर और वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। डब्ल्यूएसजे की रिपोर्ट के अनुसार, ली सोयाबीन की खरीद पर चर्चा करेंगे और अमेरिका से चीन को प्रौद्योगिकी निर्यात पर प्रतिबंधों में ढील देने का आग्रह करेंगे।

अमेरिका की बढ़ेगी टेंशन, भारत, रूस और चीन हो रहे एक साथ, मोदी और पुतिन का व्यक्तिगत रूप से स्वागत करेंगे शी जिनपिंग!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ़्ते तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन की यात्रा पर जाएँगे। यह सात साल से भी ज़्यादा समय में उनकी पहली चीन यात्रा होगी। राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मेजबानी में होने वाली इस बैठक से वैश्विक दक्षिण एकजुटता प्रदर्शित होने, प्रतिबंधों से जूझ रहे रूस को एक और कूटनीतिक

मंच मिलने और बीजिंग के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित करने की उम्मीद है।

खबर यह भी है कि शी जिनपिंग नरेंद्र मोदी और व्लादिमीर पुतिन का व्यक्तिगत रूप से स्वागत करेंगे, जो डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ के बीच वैश्विक दक्षिण एकजुटता का एक शक्तिशाली प्रदर्शन होगा। प्रधानमंत्री मोदी और पुतिन के अलावा मध्य एशिया, मध्य पूर्व, दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के नेताओं को एससीओ शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है, जो 31 अगस्त और 1 सितंबर को तियानजिन में आयोजित किया जाएगा।

हाल ही में नई दिल्ली में रूसी अधिकारियों ने कहा कि उन्हें भारत, चीन और रूस के बीच त्रिपक्षीय वार्ता की उम्मीद है।

भारत के लिए, एससीओ शिखर सम्मेलन महत्वपूर्ण है क्योंकि नई दिल्ली 2020 के सीमा संघर्षों के बाद बीजिंग के साथ संबंधों में आई नरमी को बनाए रखना चाहता है।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, विश्लेषकों को विश्वास–निर्माण के और कदम उठाने की उम्मीद है, जिनमें सैनिकों की वापसी, व्यापार बाधाओं में ढील और नए सहयोग क्षेत्र शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा पर विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर 31 अगस्त और 1 सितंबर को शंघाई सहयोग परिषद (एससीओ) के राष्ट्राध्यक्षों की 25वीं बैठक के लिए चीन के तियानजिन का दौरा करेंगे।

उन्होंने कहा कि एससीओ की स्थापना आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद की तीन बुराइयों का मुकाबला करने के प्राथमिक लक्ष्य के साथ की गई थी, जो अभी भी एक चुनौती बनी हुई हैं... एससीओ में 10 सदस्य हैं।

भारत के अलावा, इनमें बेलारूस, चीन, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं। तियानजिन में आगामी 25वें एससीओ शिखर सम्मेलन के कार्यक्रम में 31 अगस्त की शाम को एक स्वागत भोज शामिल है।

गिलगित-बाल्टिस्तान में मची भारी तबाही, अचनाक आई बाढ़ से डूबे कई गांव, सरकारी मदद को तरसे लोग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के गिलगित–बाल्टिस्तान में पिछले हफ्ते आई ग्लेशियर और फ्लैश फ्लड ने भारी तबाही मचाई है। पाकिस्तानी न्यूज एजेंसी डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, हजारों लोग अब भी पानी, बिजली और दवाइयों जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। ग्लेशियर टूटने और मलबा बहने से सड़कें, खेत और

घर बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। गिलगित–शांडूर रोड पूरी तरह डूब जाने के कारण कई गांव चौथे दिन भी बाहरी दुनिया से कटे हुए हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि करीब 300 घर बाढ़ की चपेट में आकर झील में समा गए। इससे पूरा इलाका बर्बादी की चपेट में है। कई परिवार अपने घर छोड़ने को मजबूर हैं और बेघर हो गए हैं। लोग बिजली, स्वच्छ पानी, इलाज और आश्रय की कमी से जूझ रहे हैं। रौशन और तिलदास गांव में शुक्रवार को आई इस तबाही ने लोगों की जिंदगी पलट दी। सात किलोमीटर लंबी झील ने खेती की जमीन डुबो दी और सड़क के बड़े हिस्से बहा दिए।

ग्लेशियर बन रहे बड़ा खतरा

विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार सिर्फ गिजर ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र में ग्लेशियर फटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इस सीजन में चार बड़े मामले दर्ज किए गए हैं, जिनसे घर, फसल और सड़कें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। तापमान में बढ़ोतरी को इस संकट का सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है। बढ़ती गर्मी से ग्लेशियर तेज़ी से पिघल रहे हैं और अचानक झील बनने से बाढ़ जैसी तबाही बार–बार देखने को मिल रही है।

भविष्य में और खतरे की चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय ने चेतावनी दी है कि सितंबर की शुरुआत तक मौसम की स्थिति गंभीर बनी रह सकती है। इससे और बाढ़, भूस्खलन और फसल नुकसान का खतरा है। पहले से ही प्रभावित लोग अब और भी मुश्किल हालात का सामना कर सकते हैं। राहत और पुनर्वास कार्य शुरू न होने से लोगों का गुस्सा सरकार पर लगातार बढ़ रहा है।

पाकिस्तान में बाढ़ की लगातार मार

गौरतलब है कि पाकिस्तान हर साल जून से सितंबर के बीच मॉनसून बाढ़ से जूझता है। 2022 में आई विनाशकारी बाढ़ में 1,700 से अधिक लोगों की मौत हुई थी और करोड़ों लोग विस्थापित हुए थे। आर्थिक नुकसान 40 अरब डॉलर से अधिक आंका गया था। इस बार भी हालात बेहद गंभीर हैं और गिलगित–बाल्टिस्तान में हालिया बाढ़ ने एक बार फिर पाकिस्तान की कमजोर आपदा प्रबंधन व्यवस्था को उजागर कर दिया है।

नग्न होकर सड़क पर घूम रहे लिल नास एक्स पर पुलिस पर हमला करने के आरोप

मशहूर अमेरिकी रैपर और सिंगर मोन्टेरो लामार हिल जो कि लिल नास एक्स के नाम से जाने जाते हैं। उनपर पुलिस अधिकारियों पर हमला करने और विरोध करने के आरोप में चार आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। यह कार्रवाई उस घटना के बाद की गई जब वे पिछले हफ्ते लॉस एंजेलिस की एक सड़क पर नग्न हालत में घूमते पाए गए। लॉस एंजिलिस जिला अटॉर्नी ऑफिस के मुताबिक, 26 वर्षीय लिल नास एक्स पर तीन बार पुलिस अधिकारी को चोट पहुंचाने और एक बार अधिकारी का विरोध करने की गंभीर आपराधिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले शुक्रवार को उन्हें मामूली अपराध (मिस्डीमीनर) के तहत हिरासत में लिया गया था। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे स्टूडियो सिटी इलाके की व्यस्त वेंचुरा बुलेवार्ड पर उन्हें नग्न हालत में टहलते देखा गया। जब पुलिस ने उन्हें रोका, तो उन्होंने अधिकारियों पर हमला कर दिया। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस को शक था कि वह किसी नशे की हालत में हो सकते हैं, इसलिए उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां कुछ घंटे बिताने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। तब से वह पुलिस हिरासत में हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।